

गुजरात के 8 शहरों में कर्फ्यू में और 2 घंटे की ढील, रात 1 से सुबह 5 बजे तक रहेगा कर्फ्यू

क्रांति समय, सुरत
गुजरात में लगातार घटते कोरोना मामले और आगामी दीपावली त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने 8 महानगरों में रात्रिकालीन कर्फ्यू में और दो घंटे की ढील देने का फैसला किया गया है। जिसके मुताबिक 30 अक्टूबर से रात 1 बजे से सुबह 6 बजे तक यानी केवल चार घंटे कर्फ्यू रहेगा। गांधीनगर, अहमदाबाद, वडोदरा, सुरत, भावनगर, राजकोट, जामनगर और जूनागढ़ समेत 8 महानगरों में 30 अक्टूबर रात में केवल चार घंटे कर्फ्यू रहेगा और यह नियम

आगामी 30 नवंबर 2021 तक प्रभावी रहेगा। आगामी 30 नवंबर तक सभी दुकानें, वाणिज्यिक संस्थान, रेहड़ी-पट्टी, शोपिंग कॉम्प्लेक्स, मार्केटिंग यार्ड, साप्ताहिक बाजार/हाट, हेयर कटिंग सलून, ब्यूटी पार्लर समेत अन्य व्यापारिक गतिविधियां रात 12 तक खुली रखी जा सकेंगी। रात 12 बजे तक रेस्टोरेंट 75 प्रतिशत क्षमता के साथ और कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए खुले रखे जा सकेंगे। वहीं सिनेमा होल 100 प्रतिशत क्षमता के साथ खुले रखने की छूट दी गई है। नूतन वर्ष पर स्नेह मिलन

कार्यक्रमों का आयोजन कोरोना गाइडलाइन का पालन करने की शर्त पर खुली जगह पर अधिकतम 400 लोग और बंद स्थलों पर 50 प्रतिशत लोगों के साथ किया जा सकेगा। इसी प्रकार के छूट पूजन भी खुले में 400 लोगों की क्षमता के साथ किया जा सकेगा। सरकार ने स्पा सेंट्रों को निर्धारित गाइडलाइन के कड़ाई से अमल के साथ सुबह 9 बजे से रात 9 बजे खुले रखने की छूट दी है। स्पा सेंट्रों के मालिक, संचालक, कर्मचारी समेत इससे जुड़े सभी व्यक्तियों को वैक्सीन का पहला डोज अनिवार्य होगा।

सुरत में एक ओवरब्रिज के अग्र से गुजर रहे गैस से भरे टैंपो में आग लग गई.

क्रांति समय, सुरत

सुरत के वराछ इलाके में फ्लाईओवर ब्रिज के अग्र से गुजर रहे गैस की बोतलों से भरे छोटे हाथी में अचानक ताम्बा में आग लग गई. तो अफरा तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही 3 दमकल की 5 से 6 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं. पानी की बौछार से आग पर काबू पाया गया हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ हालांकि, दुर्घटना के बाद ओवरब्रिज के दोनों मार्गों को



बंद कर दिया गया था। भारत गैस कमर्शियल कंपनी का एक छोटा टम्पा गैस टैंक दोपहर 1 बजे वराछ में गंगेश्वर सोसाइटी के सामने फ्लाईओवर ब्रिज के पास से गैस की बोतल लेकर गुजर रहा था. इसी बीच ताम्बा में भीषण आग लग गयी. घटना की सूचना दमकल विभाग को देने की बजाय दमकल की 5 से 6 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग में टैंपो का अगला हिस्सा जल कर राख हो गया।

गुजरात हाईकोर्ट ने समय बर्बाद करने पर नगर पालिका प्रमुख पर लगाया 50 हजार का जुर्माना

क्रांति समय, सुरत
गुजरात हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में डाकोर नगर पालिका की प्रमुख मयूरी पटेल पर कोर्ट का समय बर्बाद करने के लिए

उन लोगों के लिए सबक है अदालत के समय की कीमत नहीं समझते। दरअसल खेडा जिले की डाकोर नगर पालिका में 28 सितें हैं। जिसमें 11 चुनाव में भाजपा के 7 सदस्यों के क्रॉस वोटिंग करने पर स्वतंत्र उम्मीदवार प्रमुख चुना गया। भाजपा ने क्रॉस वोटिंग करने वाले 7 सदस्यों पर कार्रवाई कर अवैध घोषित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी सदस्यों को अवैध घोषित करने के फैसले को उचित करार दिया था। इसके बावजूद दूसरी टर्म में अवैध घोषित सदस्यों के वोटिंग से स्वतंत्र उम्मीदवार मयूरी पटेल प्रमुख बन गईं। जबकि अवैध सदस्यों के वोट से चुनी गई प्रमुख कानूनी तौर पर इस पद पर बनी नहीं रह सकती। प्रमुख पद का अधिकार पाने के लिए मयूरी पटेल ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। गुजरात हाईकोर्ट ने मामले को कोर्ट का समय बदलने वाला करार देते हुए मयूरी पटेल पर 50 हजार का लगाया और जुर्माने की रकम कोविड फंड में जमा करने का आदेश दिया।

50000 का जुर्माना लगाया है। हाईकोर्ट का यह फैसला

सितें पर भाजपा की जीत हुई थी। प्रमुख और उप प्रमुख के

गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और विपक्ष के नेता के नाम का जल्द होगा ऐलान : रघु शर्मा

क्रांति समय, सुरत

सुरत, गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख और विपक्ष के नेता के नाम का जल्द ही ऐलान किया जाएगा। गुजरात

आ रहे हैं और उनके आगमन से पहले रघु शर्मा आज सुरत पहुंचे हैं। बता दें कि मोदी सरनेम पर टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी को सुरत कोर्ट ने 29 अक्टूबर को तलब किया है। 13 अप्रैल 2019 को राहुल गांधी ने मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद गुजरात के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने उनके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। सुरत कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई चल रही है। गुस्वार को सुरत पहुंचे रघु शर्मा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा और विपक्ष के नेता परेश धानाणी का इस्तीफा पार्टी हाईकमांड ने मंजूर कर लिया है। 2017 के बाद कांग्रेस का गुजरात में प्रदर्शन कमजोर क्यों हुआ, इस पर मंथन किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा गुजरात में धन-बल और जोड़-तोड़की राजनीति कर रही है। जबकि आम आदमी पार्टी वोटों का समीकरण बिगाड़ने का चुनाव लड़ती है। रघु शर्मा ने एक कहा कि कांग्रेस एकजुट होकर लड़ती है तो बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। भाजपा की पन्ना समिति प्रक्रिया को प्रोपेगेंडा बताते हुए रघु शर्मा ने कहा कि कांग्रेस बूथ स्तर पर कार्यकर्ता तैयार करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी 2022 में गुजरात में कांग्रेस सरकार बनाएगी।



प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा और विपक्ष के नेता परेश धानाणी का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी सुरत

मानहानि का मामला दर्ज कराया था। सुरत कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई चल रही है। गुस्वार को सुरत पहुंचे रघु शर्मा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस

गुजरात कांग्रेस प्रमुख पद को लेकर मोडवाडिया का बड़ा बयान, कहा- मैं रिस में नहीं

क्रांति समय, सुरत

गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख पद को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोडवाडिया ने बड़ा बयान दिया है। मोडवाडिया ने स्पष्ट किया है कि वह प्रदेश कांग्रेस प्रमुख पद की दौड़ में नहीं हैं। बता दें कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और विपक्ष का नेता पद काफी समय रिक्त है। हाल ही में राहुल गांधी के दिल्ली स्थित निवास पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रभारी और नेताओं की बैठक हुई थी।

आज अर्जुन मोडवाडिया ने स्पष्ट कर दिया है कि वह प्रदेश कांग्रेस प्रमुख पद की दौड़ में नहीं हैं। राहुल गांधी के साथ हुई बैठक में गुजरात कांग्रेस के सभी नेताओं ने उनसे कह दिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव के आड़े अभी एक वर्ष का समय है और इस दौरान जिसे भी प्रमुख बनाया जाता है तो उसका हम सभी समर्थन करेंगे। पार्टी हाईकमांड का गुजरात कांग्रेस प्रमुख को लेकर जो भी फैसला होगा वह प्रदेश नेताओं को मंजूर होगा और नए प्रमुख के नेतृत्व में हम सभी मेहनत करेंगे।



'मोदी सरनेम' पर टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज सुरत कोर्ट में पेश होंगे

क्रांति समय, सुरत
सुरत, कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को सुरत की अदालत में अपना बयान दर्ज कराएंगे। गत सोमवार को सुरत कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'मोदी सरनेम' पर टिप्पणी को लेकर तलब किया है और उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले के संबंध में

बयान दर्ज करने के लिए 29 अक्टूबर को कोर्ट के सामने पेश होने का आदेश दिया था। इससे पहले कांग्रेस नेता आखिरी बार इस साल 24 जून को अदालत में पेश हुए थे। तब सुनवाई के दौरान कोर्ट द्वारा पूछे गए सवालों पर राहुल गांधी ने कहा था कि उन्हें कुछ याद नहीं है। साथ ही माफी

मांगने से भी साफ इंकार कर दिया था। उससे पहले राहुल गांधी अक्टूबर 2019 में अदालत के सामने पेश हुए थे और अपनी टिप्पणी के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया था। अदालत ने सोमवार को मौखिक रूप से राहुल गांधी को दो नए गवाहों की गवाही पर अपना आगे

का बयान दर्ज करने के लिए 29 अक्टूबर को पेश होने का आदेश दिया है। गौरतलब है लोकसभा चुनाव से पहले 13 अप्रैल 2019 को कोलार में रैली के दौरान अपने भाषण में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित तौर पर पूछा था कि नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेंद्र मोदी

सभी चोरों का सामान्य सरनेम मोदी कैसे है? राहुल गांधी की इस टिप्पणी को लेकर सुरत के भाजपा विधायक और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की सरकार में सड़क एवं परिवहन मंत्री पूर्णेश मोदी ने अप्रैल 2019 में गांधी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के

तहत मानहानि का मामला दर्ज कराया था। अपनी शिकायत में पूर्णेश मोदी ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी ने 2019 में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पूरे मोदी समुदाय को यह कहकर बदनाम कर दिया था कि 'सभी चोरों का सामान्य सरनेम मोदी कैसे है?'

रिहाइशी इलाकों में आवारा कुत्तों की तरह घूमने लगे हैं तेंदुए, मासूम बच्चे को फाड़ खाया

क्रांति समय, सुरत

जूनागढ़, गुजरात में तेंदुओं को आतंक बढ़ता जा रहा है। रिहाइशी इलाकों में तेंदुए आवारा कुत्तों की तरह घूमने लगे हैं। जूनागढ़ में माता की बगल में सो रहे पांच साल बच्चे को तेंदुआ उठा ले गया और उसे फाड़ खाया। इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ की वंथली तहसील के वसपडा गांव की सीमा में श्रमिक मनहर चरपोट अपने परिवार के साथ रहता है। दाहोद जिले की सिंगवड तहसील का श्रमिक मनहर चरपोट अपने परिवार मंगलवार को रात सो रहा था। परिवार के दो बच्चे अपनी माता के साथ सो रहे थे। उस वक्त दबे पांव आया एक तेंदुआ 5 वर्षीय योगेश को उठा ले गया

रिहाइशी इलाकों में तेंदुए आवारा कुत्तों की तरह घूमने लगे हैं। जूनागढ़ में माता की बगल में सो रहे पांच साल बच्चे को तेंदुआ उठा ले गया और उसे फाड़ खाया। इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ की वंथली तहसील के वसपडा गांव की सीमा में श्रमिक मनहर चरपोट अपने परिवार के साथ रहता है। दाहोद जिले की सिंगवड तहसील का श्रमिक मनहर चरपोट अपने परिवार मंगलवार को रात सो रहा था। परिवार के दो बच्चे अपनी माता के साथ सो रहे थे। उस वक्त दबे पांव आया एक तेंदुआ 5 वर्षीय योगेश को उठा ले गया

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएं और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा, वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरो और अन्य शहर, ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते हैं
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

संपादकीय

पेगासस में जांच

पेगासस मामले में देश की सर्वोच्च अदालत का फैसला स्वागतयोग्य है। अदालत ने इस मामले में स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर अपना जो फैसला सुनाया है, वह कर्तव्य नहीं चौकाता। मामले को अंजाम तक पहुंचाने के लिए अदालत के पास शायद यही सबसे बेहतर विकल्प था। अब इस सनसनीखेज मामले की जांच एक्सपर्ट कमेटी करेगी। जांच समिति के गठन के साथ ही कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए यह भी कह दिया है कि लोगों की जासूसी किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति गठित की है और जांच के लिए आठ सप्ताह की समय-सीमा तय करके बिल्कुल सही किया है। अदालत को सुनिश्चित करना चाहिए कि तय समय में जांच रिपोर्ट पेश हो जाए। हालांकि, यह रिपोर्ट सार्वजनिक होगी या नहीं, यह कहना कठिन है, लेकिन जब बड़े सवाल के जवाब जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से नहीं आ रहे हैं, तब शीर्ष अदालत से ही अब याचिकाकर्ताओं को उम्मीद है। यह जानना जरूरी है कि जासूसी के लिए क्या अवैध तरीके से पेगासस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया है? आखिर पेगासस या जासूसी की जरूरत ही क्यों पड़ी है? शायद इन सवालों के जवाब सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति खोज पाएगी। कोई शक नहीं कि आदर्श स्थिति तब होती, जब सुप्रीम कोर्ट को सवालों के जवाब पहले ही मिल जाते, जांच की जरूरत ही नहीं पड़ती। लेकिन याचिकाकर्ताओं ने जो सवाल उठाए थे, उन्हें जब अदालत संतुष्ट नहीं कर सकी, तब मामले की जांच जरूरी हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया कि हमारे पास याचिकाकर्ता की दलीलों को प्रथम दृष्टया स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। अब जो समिति गठित हुई है, उसकी निगरानी सर्वोच्च अदालत के हाथों में रहेगी। संभव है, जांच के बाद अदालत किसी ठोस नतीजे पर पहुंचे। अब जब आठ सप्ताह बाद सुनवाई होगी, देश के सामने दूध का दूध पानी का पानी होने की उम्मीद है। अगर जासूसी हुई है, तो यह जानना सबसे जरूरी है कि उससे देश को फायदा हुआ है या नुकसान? दुनिया में लोगों की जासूसी का इतिहास पुराना है, लेकिन सभ्यता के दायरे में इसे अच्छा नहीं माना जाता है। विशेष रूप से लोकतंत्र में तंत्र पर लोक का विश्वास जितना जरूरी है, उतनी ही जरूरी है तंत्र में पारदर्शिता। पेगासस से अगर जन-विश्वास खंडित हुआ है, तो संविधान की रीढ़नी में यह चिंता की बात है। इसकी पुनरावृत्ति तो कर्तव्य नहीं होनी चाहिए। तीन सदस्यीय जांच समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश आर वी रवींद्रन करेंगे और इसमें आलोक जोशी और संदीप ओबेरॉय सदस्य होंगे। यह देश के लिए एक आदर्श जांच हो, तो ही बात बनेगी। किसी भी तरह की खानापूर्ति के बजाय यह देखने की जरूरत है कि किन्हीं नागरिकों पर किसी सरकार के अविश्वास के निहितार्थ क्या हैं? यह भी संभव है कि जांच के दौरान समिति जिम्मेदार अधिकारियों के जासूसी कराने संबंधी फैसले से सहमत हो। पेगासस के जरिये जांच यदि जरूरी थी, अगर देश पर कोई खतरा था, तो जांच के बाद खामोश रह जाना बेहतर होगा। लेकिन अगर विधान को ताक पर रखकर अवैध रूप से जासूसी की गई है, तो हमें सचेत हो जाना चाहिए। जासूसी की किसी भी गलत परंपरा से अपने देश को बचाना चाहिए।



‘आज के ट्वीट

गलती

ग़लती हो जाए तो कोई बात नहीं, ग़लतियों से सीखने को मिलता है. पर किसी के साथ ग़लत मत करो, ये रिश्तों को तोड़ देता है

-- रजत शर्मा

अध्यात्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

आध्यात्मिकता का अर्थ है उस चेतना पर विश्वास करना, जो प्राणधारियों को एक-दूसरे के साथ जोड़ती है, सुख-सर्वधन और दुख-निवारण की स्वाभाविक आकांक्षा को अपने शरीर या परिवार तक सीमित न रख कर अधिकाधिक व्यापक बनाती है। अध्यात्म का सीधा अर्थ आत्मीयता के विस्तार के रूप में किया जा सकता है। 'प्रेम ही परमेश्वर है' का सिद्धांत यहां अक्षरशः लागू होता है। अंतरात्मा की सघन पिपासा, प्रेम का अमृत पान करने की होती है। इसी लोभ में उसे निरंतर भटकना पड़ता है। छल का व्यापार प्रेम, विश्वास के सहारे ही चलता है। वासना के आकर्षण में प्रेम की संभावना ही उन्माद पैदा करती है। यह तो कृत्रिम और छद्मप्रेम की बात हुई, उसकी यथार्थता इतनी मामूली होती है कि प्रेम देने वाला और प्रेम पाने वाला दोनों ही धन्य हो जाते हैं। दार्शनिक विवेचना में इस भक्तिमार्गी आस्तिकता के लिए कोई स्थान नहीं है। देवता ने आत्मा के परिष्कृत स्वर को ही परमात्मा माना है और उत्कृष्टता से भरापूरा अन्त-करण ही ब्रह्मलोक है। अपनी महानता पर विश्वास और तदनुसृत श्रेष्ठ आचरण का

अवलम्बन, यही है सच्ची आस्तिकता। इसी के परिपोषण में साधना और उपासना का विशालकाय ढांचा खड़ा किया जाता है। अनेकता में समाविष्ट एकता की झांकी कर सकता ही ईश्वर दर्शन है। सृष्टि का प्रत्येक सजीव और निर्जीव घटक एक-दूसरे से प्रभावित ही नहीं होता, वरन परस्परपूरक और अभिन्न भी है। एक की संवेदना दूसरे को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप में प्रभावित किए बिना नहीं रह सकती, इसलिए अमूक व्यक्तियों की सुख-सुविधा को ध्यान में न रखते हुए समस्त विश्व का हित साधन करने की दृष्टि रखकर ही जीवन की कोई रीति-नीति निर्धारित की जाए, यह दृष्टि तत्त्व दर्शन का प्रत्यक्ष प्रतिफल है। जब यह स्वतः सिद्ध सत्य चेतना के गहन मर्मस्थल तक प्रवेश कर जाए और निरंतर इसी स्तर की अनुभूति होने लगे तो समझना चाहिए कि अध्यात्म और जीवन का समन्वय हो चला। पूजा की इतिश्री अमूक कर्मकाण्डों की पूर्ति के साथ ही हो जाती है; किन्तु आध्यात्मिकता व्यक्ति के अन्तरंग और बहिरंग जीवन में व्यावहारिक हेर-फेर करने के लिए विवश करती है। आत्मसुधार, आत्म निर्माण के क्रम में अन्तरंग की आस्थाओं, मान्यताओं, आकांक्षाओं और अभिरुचियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है।

पाकिस्तानी साजिश का पर्दाफाश आवश्यक

- अनिल निगम

कश्मीर घाटी में आतंकवादियों द्वारा ताबडतोड़ हत्याएं कर जिस तरीके से आतंक का माहौल पैदा किया जा रहा है, बेहद शर्मनाक है। हाल ही में जो यहां हत्याएं की गई हैं, उसमें प्रवासी मजदूरों अथवा अन्य प्रदेश से आए लोगों को टारगेट किया गया है। आतंकवादियों का इसके पीछे मुख्य उद्देश्य बाहरी लोगों में खौफ पैदा करना और विकास की धारा को बेपटरी करना है। निरसंदेह, यह पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है। चूंकि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 समाप्त करने के बाद जिस तरीके वहां अमन चैन बहाल हो रहा है, वह पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा। हत्याओं के पीछे लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट-जम्मू कश्मीर जैसे आतंकी संगठनों का हाथ रहा है। स्पष्ट तौर पर इनको पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त है। जैसा कि विदित है कि 5 अगस्त, 2019 जम्मू-कश्मीर के लिए ऐतिहासिक दिन सिद्ध हुआ। इसी दिन जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और धारा 35-ए को समाप्त कर दिया गया था। इसी के साथ जम्मू-कश्मीर को जो वर्ष 1950 में भारतीय संविधान के अंतर्गत विशेष राज्य का दर्जा दिया गया था, उसका अंत हो गया और यह एक देश, एक विधान और एक संविधान के दायरे में आ गया था। उसके पश्चात भारत सरकार ने स्थानीय लोगों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए विकास संबंधी कार्यों की रणनीति बनाई थी लेकिन पाकिस्तान को भारत का यह निर्णय शुरू से ही नहीं पच रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ जमकर दुष्प्रचार किया था। उन्होंने कहा था कि अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा और वहां

नरसंहार शुरू हो जाएगा। लेकिन जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद सुरक्षा बलों ने जिस तरीके से आतंकीयों का सफाया और दिशा विहीन हुए लोगों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए अभियान चलाया, वह काबिले तारीफ है। लेकिन पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में शांति की बहाली बिल्कुल नहीं चाहता। यही कारण है कि उसने वहां अशांति फैलाने की रणनीति बदल दी है। अब उसने प्रवासी मजदूरों और अन्य प्रदेशों के प्रवासियों को टारगेट करना शुरू कर दिया है। अनेक प्रवासी मजदूर डर कर यहां से पलायन कर रहे हैं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में चल रही अनेक विकास परियोजनाओं में 90 फीसदी से अधिक प्रवासी मजदूर निर्माण कार्यों में लगे हुए हैं। अकेले कश्मीर घाटी पांच लाख प्रवासी मजदूर कार्यरत हैं। जम्मू-कश्मीर में विभिन्न राज्यों से तीन-से चार लाख मजदूर प्रत्येक वर्ष काम के लिए घाटी जाते हैं। उनमें से अधिकांश संघियों की शुरुआत से पहले चले जाते हैं, जबकि कुछ साल भर वहीं रहकर काम करते हैं। उनमें बिहार और उत्तर प्रदेश से आए मजदूरों की संख्या सर्वाधिक होती है। पाकिस्तान की बौखलाहट का एक प्रमुख कारण यह है कि जम्मू कश्मीर को जो पहले विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त था, समाप्त हो चुका है। पहले वहां लोगों के पास दोहरी नागरिकता-जम्मू कश्मीर और भारत की थी, लेकिन अब देश के बाकी लोगों की तरह वहां भी एक ही नागरिकता है। इसके अलावा पहले यह प्रावधान था कि जम्मू कश्मीर की कोई युवती भारत के किसी राज्य के युवक से शादी करती है तो उसका उसके परिवार की संपत्ति में अधिकार खत्म हो जाता था और उसके बच्चों की भी जम्मू-कश्मीर की नागरिकता खत्म हो जाती थी, पर अब ऐसा नहीं है। यही नहीं, जम्मू-कश्मीर का अलग झंडा था, लेकिन अब तिरंगा ही पूरे जम्मू-कश्मीर का



भी राष्ट्रीय ध्वज है। पहले जम्मू-कश्मीर में न अनुच्छेद 356 लागू था यानी वहां सरकार भंग होने पर राष्ट्रपति शासन नहीं लग सकता था और न ही वह अनुच्छेद 360 के दायरे में आता था, जिसके तहत राष्ट्रपति आर्थिक आपातकाल लागू करते हैं। लेकिन अब यहां पर अब भारत का संविधान पूरी तरह से लागू है। दिलचस्प बात यह है कि पहले दूसरे राज्य के लोग जम्मू-कश्मीर में जमीन नहीं खरीद सकते थे, लेकिन अब यह कानून नहीं है। अब यहां पर आरटीआई कानून लागू है और जहां पहले जम्मू-कश्मीर में सरकार का कार्यकाल 6 साल का होता था, अब वहां भी 5 साल के बाद चुनाव कराने का प्रावधान है।

इसके अलावा पहले लद्दाख जम्मू-कश्मीर का हिस्सा था, लेकिन अब लद्दाख अलग से केंद्र शासित प्रदेश है। यह सब ऐसे बदलाव हैं जिनको पाकिस्तान

पिछड़ रहे हैं। इसका प्रमुख कारण विज्ञान, तकनीक और रोजगार कौशल के ज्ञान को अंग्रेजी में देना भी है। यदि नई शिक्षा नीति के माध्यम से विज्ञान व तकनीकी विषयों को उच्च शिक्षा संस्थानों में मातृभाषाओं में पढ़ाए जाने का सिलसिला शुरू होता है तो कालांतर में यह स्थिति बदल सकती है। फिलहाल 14 इंजीनियरिंग कॉलेजों ने इस नीति के तहत पांच भारतीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा के पाठ्यक्रम जारी कर दिए हैं। परंतु अभी इन पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए जरूरी पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि कृत्रिम बुद्धि के जरिए पुस्तकों, अकादमीय पत्रिकाओं और वीडियो एप के जरिए पाठों को अनुवाद करने वाले कुछ उपकरण नवाचारियों ने निर्मित किए हैं, लेकिन इनके अनुवाद की गुणवत्ता संपूर्ण है अथवा नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मातृभाषाओं में पढ़ाने वाले अध्यापकों की भी कमी है। अतएव इन क्षेत्रों में जल्द सुधार की आवश्यकता है। हालांकि दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। लेकिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी साहित्य सृजन में केवल पाश्चात्य लेखकों का ही बोलबाला है। पश्चिमी देशों के वैज्ञानिक आविष्कारों से ही यह साहित्य भरा पड़ा है। भारत में भी इसी साहित्य का पाठ्य पुस्तकों में अनुकरण है। इस साहित्य में न तो हमारे प्राचीन वैज्ञानिकों की चर्चा है और न ही आविष्कारों की। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हम खुद न अपने आविष्कारों को प्रोत्साहित करते हैं और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहास पूर्ण रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसे प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे निश्चित होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनूदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढालकर अनेक आविष्कार व सिद्धांत गढ़कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे। कहते हैं कि पक्षियों के पंख प्राकृतिक रूप से ही संपूर्ण रूप में विकसित हो जाते हैं, लेकिन हवा के बिना उनमें पक्षी को उड़ाने की क्षमता नहीं होती है। अर्थात् उड़ने के लिए वायु आवश्यक तत्व है। इसी तथ्य के आधार पर हम कह सकते हैं, आविष्कार वैज्ञानिक को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई वैज्ञानिक कितना भी शिक्षित क्यों न हो, वह कल्पना के बिना कोई मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता है। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है, वह उतना ही बताती व सिखाती है, जितना हो



चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात् कुछ नितान्त नूतन करने की जिज्ञासा को आधार तल देती है। स्पष्ट है, आविष्कारक लेखक या नए सिद्धांतों के प्रतिपादकों को उच्च शिक्षित होने की कोई बाध्यकारी अड़चन पेश नहीं आनी चाहिए। अतएव हम जब लब्ध-प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की जीवन-गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके इंट-गिर्द विज्ञान-सम्मत परिवेश था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। सूक्ष्म जीवों का अध्ययन करने वाले पहले वैज्ञानिक ल्यूवेनहॉक द्वारापल थे और लैसों की घिसाई का काम करते थे। लियोनार्दो विंची एक कलाकार थे। आइंस्टीन पेटेंट कार्यालय में लिपिक थे। न्यूटन अत्यावहारिक और एकांतप्रिय थे। उन्होंने विवाह भी नहीं किया था। न्यूटन को मंदबुद्धि भी कहा गया है। थॉमस अल्वा एडिसन को मंदबुद्धि बताकर प्राथमिक पाठशाला से निकाल दिया गया था। इसी क्षीण बुद्धि बालक ने कालांतर में बल्व और टेलीग्राफ का आविष्कार किया। फेराडे पुस्तकों पर जिल्दसाजी का काम करते थे। लेकिन उन्होंने ही विद्युत-मोटर और डायोनामा का आविष्कार किया। प्रिस्टले पुरोहित थे। लेवोसिएर कर विभाग में कर वसूलते थे। संगणक (कंप्यूटर) की बुद्धि अर्थात् सॉफ्टवेयर बनाने वाले बिलगेट्स का शालेय पढ़ाई में मन नहीं रमता था, क्योंकि उनकी बुद्धि तो सॉफ्टवेयर निर्माण की परिकल्पना में एकाग्रचित से लगी हुई थी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक रोगों की पहचान कर दवा बनाने वाले आविष्कारक भी चिकित्सा विज्ञान या चिकित्सक नहीं थे। आयुर्वेद उपचार और दवाओं का जन्म तो हुआ ही ज्ञान परंपरा से है। गोया, हम कह सकते हैं कि प्रतिभा जिज्ञासु के अवेतन में कहीं छिपी होती है। इसे पहचान कर गुणीजन या शिक्षक प्रोत्साहित कर कल्पना को पंख देने का माहौल दें तो भारत की ग्रामीण धरती से अनेक वैज्ञानिक-आविष्कारक निकल सकते हैं। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बहूँगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।
वृषभ	आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशांतर की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व को पूर्ति होगी।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
कर्क	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।
सिंह	पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
वृश्चिक	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बड़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।
मकर	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।
कुम्भ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रस्त रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।



एडीबी, एआईआईबी कोविड टीकों की खरीद के लिये भारत को दो अरब डॉलर का कर्ज देंगे

बीजिंग, चीन स्थित एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के साथ एशियाई विकास बैंक (एडीबी) भारत को कोविड-19 टीकों की खरीद को लेकर दो अरब डॉलर का कर्ज देने की प्रक्रिया में है। एआईआईबी के उपाध्यक्ष डी जे पांडियन ने मंगलवार को कहा कि कुल दो अरब डॉलर के कर्ज में मनीला स्थित एडीबी 1.5 अरब डॉलर देगा। जबकि एआईआईबी 50 करोड़ डॉलर उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा, "एडीबी 1.5 अरब डॉलर वित्त उपलब्ध कराने को राजी हुआ है और एआईआईबी 50 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा।" पांडियन ने कहा कि एआईआईबी निदेशक मंडल कर्ज पर विचार कर रहा है। भारत ने तीन महीने पहले कर्ज के लिये आवेदन दिया था। बैंक के अनुसार इस कर्ज से कोविड-19 टीके की 66.7 करोड़ खुराक खरीदी जाने की संभावना है।

वेदांता आस्ट्रेलिया की तांबा खान बचेगी

नयी दिल्ली, वेदांता लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि उसकी इकाई मोटे सेलेनो बीबी (एमसीबीबी) ने ऑस्ट्रेलिया में स्थित माउंट लायल तांबा खान को बचाने के लिए एक समझौता किया है। एमसीबीबी के पास माउंट लायल तांबा खान का 100 प्रतिशत स्वामित्व है। कंपनी ने बीएसई को दो जानकारी में कहा, "वेदांता लिमिटेड की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली सहायक कंपनी एमसीबीबी ने तस्मानिया की तांबा खदान (सीएमटी) को न्यू संचुरी रिसोर्सेज के साथ एक विकल्प समझौते के माध्यम से बचाने का फैसला किया है।"

एप्पल ने चीन में बिना चार्जर के आईफोन बेचने पर दायर किया मुकदमा - रिपोर्ट

बीजिंग, चीन में विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने आईफोन 12 प्रो मैक्स के साथ चार्जर शामिल नहीं करने के लिए टेक दिग्गज एप्पल पर मुकदमा दायर किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी जानकारी दी। छात्रों ने दावा किया कि शामिल यूएसबी-सी से लाइटनिंग केवल अन्य चार्जर के साथ संगत नहीं था। विज्ञान के अनुसार जिससे एक छत्र फोन चार्ज करने में असमर्थ था। छात्रों ने तर्क दिया कि एप्पल इसका उपयोग केवल मैगसेफ वायरलेस चार्जर को बढ़ावा देने के बहाने के रूप में कर रहा था जो अपने वायर्ड समकक्षों की तुलना में अधिक ऊर्जा बर्बाद करते हैं। वे चाहते हैं कि आईफोन चार्जर की आपूर्ति करे और साथ ही कानूनी शुल्क और अनुबंध के उल्लंघन के लिए 100 युआन (16 डॉलर) का भुगतान करे। एप्पल ने कथित तौर पर बीजिंग वचुअल कोर्ट को बताया कि फोन ब्रांडों के लिए अलग से पावर एडप्टर बेचना आम बात है और सरकार ने इस प्रथा को मंजूरी दे दी है। हालांकि, छात्रों ने बताया कि कई चीनी कंपनियां बॉक्स में एडप्टर की पसंद की पेशकश करती हैं। उदाहरण के लिए, आप शाओमी एमआई 11 को पावर ब्रिक के साथ या उसके बिना खरीद सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मामला अभी भी चल रहा है और इसकी कोई गारंटी नहीं है कि इससे छात्रों को मुआवजा मिलेगा या एप्पल की नो-चार्जर नीति में बदलाव होगा। यहां तक कि अगर मामला परिवर्तन का संकेत देता है, तो यह केवल एप्पल को चार्जर को चेकआउट के विकल्प के रूप में पेश कर सकता है।



निर्मला सीतारमण रोम में जी-20 के वित्त, स्वास्थ्य मंत्रियों की संयुक्त बैठक में हिस्सा लेंगी



नयी दिल्ली (एजेंसी),

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 29 अक्टूबर को रोम में जी-20 देशों के वित्त और स्वास्थ्य

मंत्रियों की एक संयुक्त बैठक में हिस्सा लेंगी, जिसमें अन्य विषयों के अलावा कोविड महामारी की रोकथाम और प्रतिक्रिया पर चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्रालय ने ट्विटर पर लिखा, "केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोम में जी-20 के वित्त और स्वास्थ्य मंत्रियों की संयुक्त बैठक में हिस्सा लेने के लिए आधिकारिक यात्रा शुरू की जिसमें कोविड-19 की रोकथाम, उसके खिलाफ तैयारी और प्रतिक्रिया को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। यह बैठक रोम में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले होगी।" जी-

20 देशों के वित्त और स्वास्थ्य मंत्री इस बात पर चर्चा करेंगे कि महामारी को लेकर प्रतिक्रिया को कैसे तेज रखा जाए तथा स्वास्थ्य एवं वित्त मंत्रालयों के बीच और समन्वय की व्यवस्था को कैसे बढ़ावा दिया जाए। जी-20 देशों के वित्त और स्वास्थ्य मंत्री इटली की अध्यक्षता में अपनी पहली संयुक्त बैठक के लिए रोम में इकट्ठा होंगे। इटली के अध्यक्षता एवं वित्त मंत्री डेनियल फ्रैंको और स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्टो स्पेरान्जा बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। बैठक 30-31 अक्टूबर, 2021 को रोम में होने वाले जी20 लीडर्स समिट (जी-20 शिखर सम्मेलन) की पूर्व संध्या पर होगी।



पेटीएम का आईपीओ आठ नवंबर को खुलेगा, कंपनी का शेयर 18 नवंबर को सूचीबद्ध होगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)

पेटीएम का आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) आठ नवंबर को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 2,080 से 2,150 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। आईपीओ 10 नवंबर को बंद होगा। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड के पास दस्तावेज जमा किए हैं। इनको मूल्य दायरे के साथ 'अपडेट' किया जाएगा। कंपनी की योजना 18 नवंबर को अपने शेयरों को सूचीबद्ध कराने की है। पेटीएम ने अपने आईपीओ के आकार को बढ़ाकर 18,300 करोड़ रुपये करने का फैसला किया है। पहले यह 16,600 करोड़ रुपये था। कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक अलीबाबा समूह की कंपनी एंट फाइनेंशियल और सांफ्टवेयर सहित मौजूदा निवेशकों ने कंपनी में अपनी अधिक हिस्सेदारी की बिक्री से बिक्री पेशकश (ओएफएस) का आकार 1,700 करोड़ रुपये बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये हो जाएगा।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 1,158 अंक फिसला

मुंबई (एजेंसी)।

मुंबई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही भारी बिकवाली से बाजार टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,158.63 अंक करीब 1.89 फीसदी नीचे आकर 59,984.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 353.70 अंक तकरीबन 1.94 फीसदी फिसलकर 17,857.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में आईटीसी 5 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ ही सबसे ज्यादा घाटे में रहा। वहीं इसके अलावा, आईसीआईआई बैंक, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई और एचडीएफसी बैंक के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, एल एंड टी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एंशान पेट्रोल के शेयर ऊपर आये हैं। जानकारों के अनुसार बड़ी वित्तीय और आईटी कंपनियों के शेयरों में आई बिकवाली से बाजार में यह



गिरावट आई है। इससे निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख खंडवार सूचकांकों में गिरावट आयी है। निफ्टी पीएसयू बैंक (सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक) में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट

आयी। कमजोर वैश्विक रुख के बीच वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के निपटान के अंतिम दिन खासकर वित्तीय शेयरों में बिकवाली से बाजार गिरा है। वहीं हाल में वित्तीय शेयरों में तेजी की वजह से बाजार में बढ़त आयी थी।

बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने धमाकेदार तरीके से की दिवाली कैपेन की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोग बड़े हर्ष और उलझन के साथ आने वाले त्योहारों की तैयारियों में जुटे हैं, और ऐसे मौके पर बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने बजाज फिनसर्व डायरेक्ट लिमिटेड के साथ मिलकर अपने दिवाली कैपेन 'EMI है ना' की धमाकेदार शुरुआत की है। इसके तहत बजाज फिनसर्व डायरेक्ट लिमिटेड के बजाज फिनसर्व EMI स्टोर (www.emistore.com) के जरिए अलग-अलग ब्रांड्स के तरह-तरह के प्रोडक्ट्स को EMI पर खरीदारी करने पर ग्राहकों आकर्षक छूट और कैशबैक का प्रस्ताव दिया जा रहा है। ग्राहक बेहद मामूली डाउन-पेमेंट के साथ विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, घरेलू उपकरणों, स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच, फर्नीचर, फिटनेस उपकरण, घरेलू साज-सज्जा के सामान, एक्ससेसरीज, किचन अप्लायंसेस तथा इसी

तरीके से अन्य सामानों की खरीद पर जबरदस्त छूट का फायदा उठा सकते हैं। यह कैपेन 15 नवंबर, 2021 को समाप्त होगा। इस कैपेन का जिगल बेहद आकर्षक है, जो ज्यादा कीमत वाले अपने पर्सदीदा लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स की खरीदारी करते समय भारत के ज्यादातर मध्यवर्गीय ग्राहकों के मन में आने वाली भावनाओं को दर्शाता है। 'EMI है ना' कैपेन के जरिए, यह ब्रांड देश के अलग-अलग शहरों में रहने वाले सभी ग्राहकों को अपने पर्सदीदा सामानों की कमी भी, और कहीं भी खरीदारी करने और इससे होने वाले फायदे का अनुभव करने में सक्षम बनाता है। इस कैपेन में खरीदारी करने और मासिक किस्तों के जरिए इसकी रकम चुकाने के संदर्भ में भारत के 'एक मंत्र से एकजुट' होने की बात, यानी 'EMI है ना' की बात शामिल है। फिलहाल यह कैपेन बजाज फिनसर्व के सोशल मीडिया चैनलों



(जैसे कि फेसबुक, ट्विटर, लिंक्डइन, यूट्यूब), ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म (जैसे गाना, जियोसावन), रेडियो, इन्फोटेनमेंट और दूसरे OTT चैनलों सहित सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव चल रहा है। ब्रांड ने इस कैपेन के लिए 360-डिग्री स्ट्रेटजी माध्यम से, 'EMI है ना' को बजाज फिनसर्व की सहयोगी कंपनियों, यानी बजाज फाइनेंस लिमिटेड, और बजाज फिनसर्व डायरेक्ट लिमिटेड का पर्याय बनाने की कोशिश की है। इस जोश एवं उत्साह को और बढ़ाने के लिए, कंपनी ने एक वचुअल गेम भी तैयार किया है। ग्राहक इस वचुअल गेम में भाग ले सकते हैं और अधिकतम स्कोर हासिल कर सकते हैं। इसमें भाग लेने वाले ग्राहकों को पुरस्कार के रूप में कैशबैक का फायदा भी मिलेगा। बजाज फिनसर्व EMI स्टोर अपने सम्मानित एवं भरोसेमंद भागीदारों के

कार्ड का उपयोग करके अपने पर्सदीदा मुक्त अनुभव प्रदान करने का भी वादा करता है। कई तरह के डीलस, छूट, ऑफर, डिजिटल वीडियो, गेम, इसके लिए तैयार किए गए विशेष वेबपेज और तीसरे पक्ष के सहयोग के अलावा, ब्रांड ग्राहकों को न्यूनतम कागजी कार्रवाई एवं प्री-अप्लूड लोन जैसे फायदों के साथ-साथ बेहद कम समय में लोन के वितरण के लिए पूरे भारत में मौजूद 43,000 से ज्यादा विक्रेताओं के नेटवर्क का लाभ उठाना चाहता है। ग्राहक अपने बजाज फिनसर्व ईएमआई नेटवर्क

इंटेल ने की 12वीं पीढ़ी के एल्डर लेक डेस्कटॉप सीपीयू की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंटेल ने आधिकारिक तौर पर कंपनी के एल्डर लेक आर्किटेक्चर पर आधारित 10एनएम प्रोसेसर प्रक्रिया का उपयोग करते हुए डेस्कटॉप के लिए अपने नए 12वें जनरल कोर प्रोसेसर की घोषणा की है। छह मॉडलों में से तीन में कोर आई9-12900के, कोर आई7-12700के, और कोर आई5-12600के शामिल हैं, शेष तीन प्रोसेसरों के केएफ संस्करण हैं (एफ एक एकीकृत जीपीयू की कमी को दर्शाता है)। कंपनी ने एक बयान में कहा, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेमिंग प्रोसेसर, 12वीं पीढ़ी के इंटेल कोर आई9-12900के सहित छह नए अपलॉक किए गए डेस्कटॉप प्रोसेसर को लॉन्च किया है।

इसी के साथ 5.2 गीगाहर्ट्ज तक के अधिकतम टॉप बूस्ट और 16 कोर और 24 थ्रेड्स के साथ, नया डेस्कटॉप प्रोसेसर उस्ताही गेमर्स और पेशेवर रचनाकारों के लिए बहु-थ्रेडेडप्रदर्शन की नई ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं। ये नए प्रोसेसर इंटेल 7 प्रक्रिया का उपयोग करके बनाए गए हैं और एक हाइब्रिड आर्किटेक्चर का उपयोग करते हैं जिसमें कम गहन कार्यभार को संभालने के लिए कार्यभार और कुशल ई-कोर की मांग को संभालने के लिए शांतिशाली पी-कोर शामिल हैं। प्रदर्शन के मामले में, इंटेल का दावा है कि नए 12वीं पीढ़ी के प्रोसेसर अब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेमिंग प्रोसेसर हैं, जब 31 शीर्षकों में गेमिंग प्रोसेसर, 12वीं पीढ़ी के इंटेल कोर आई9-12900के सहित छह नए अपलॉक किए गए डेस्कटॉप प्रोसेसर को लॉन्च किया है।

तुलना में बेहतर उत्पादकता प्रदर्शन का भी दावा करती है। 12वीं पीढ़ी की इंटेल एल्डर लेक भी पीसीआईई जेन 5 (16 लेन तक) और 4800एमटी/एस तक की डीडीआर5 मेमोरी को सपोर्ट करने वाले सीपीयू का पहला सेट है। इसके अलावा, ये सीपीयू एक्सई आर्किटेक्चर पर आधारित उन्नत इंटेल यूएचडी ग्राफिक्स के साथ एकीकृत वाईफाई 6ई समर्थन के साथ भी आते हैं। इंटेल कोर 9-12900के की कीमत 589 डॉलर है, केएफ संस्करण 564 डॉलर में उपलब्ध है। कोर आई7-12700के की कीमत 409 डॉलर है और केएफ वैरिएंट की कीमत 384 डॉलर है। इस बीच, कोर आई5-12600के 289 डॉलर पर उपलब्ध होगा और केएफ संस्करण की कीमत 264 डॉलर होगी।

गूगल ने फोल्डेबल्स, टैबलेट के लिए एंड्रॉइड 12 एल का किया अनावरण



सेन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एंड्रॉइड 12 जारी करने के बाद, गूगल ने एंड्रॉइड 12एल के पूर्वावलोकन की घोषणा की है, जो एंड्रॉइड के एक नए संस्करण की तरह लग सकता है। लेकिन गूगल इसे एक विशेष सुविधा ड्रॉप का एंड्रॉइड 12 को बड़ी स्क्रीन पर और भी बेहतर बनाता है। यहां विचार उपयोगकर्ताओं को टैबलेट, फोल्डेबल और क्रॉम ओएस लैपटॉप पर 600 डीपी से ऊपर की स्क्रीन वाली कोई भी चीज को एक बेहतर यूजर इंटरफेस के साथ प्रदान करना है। एक ब्लॉगपोस्ट में कंपनी ने कहा, 12एल में हमने एंड्रॉइड को अधिक सुंदर बनाने के लिए यूआई को परिष्कृत किया है और नोटिफिकेशन, क्लिक सेटिंग्स, लॉकस्क्रीन, ओवरलैप, होम स्क्रीन और बहुत कुछ में 600एएसपी से बड़ी स्क्रीन पर उपयोग के साथ आसान है। यूआई अपडेट के रचना अपने ऐप को आजमाएँ। एंड्रॉइड 12एल का डेवलपर पूर्वावलोकन अब उन डेवलपर्स के लिए उपलब्ध है जो इसे आजमाना चाहते हैं, साथ ही एंड्रॉइड स्टूडियो में एक नया एंड्रॉइड 12एल एमुलेटर और इसके लिए समर्थन भी उपलब्ध है। गूगल की योजना

अगले साल की शुरुआत में एंड्रॉइड 12 टैबलेट और फोल्डेबल की अगली लहर के लिए समय पर 12एल जारी करने की है। टेकक्रूच की रिपोर्ट के अनुसार, एंड्रॉइड 12एल के अलावा, गूगल ने इन उपकरणों को बेहतर समर्थन देने के लिए ओएस पर अपने प्ले फॉर डेवलपर्स में नई सुविधाओं की भी घोषणा की। इसमें बड़े स्क्रीन वाले उपकरणों के लिए इसके मटीरियल डिजाइन मार्गदर्शक के अपडेट शामिल हैं, लेकिन इन मशीनों के निर्माण को आसान बनाने के लिए जेटपैक कंपोज के अपडेट भी हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐप विभिन्न स्क्रीन ओरिएंटेशन और आकारों के लिए अधिक आसानी से अनुकूलित हो सकते हैं। एंड्रॉइड स्टूडियो को एक आकार बदलने योग्य एमुलेटर भी मिल रहा है जिससे डेवलपर्स को विभिन्न प्रकार के स्क्रीन आकारों पर अपने ऐप का परीक्षण करने में मदद मिलती है और लेआउट में समस्याएं होने पर यूआई चेतनियताओं और सुझावों को सतह पर लाने के लिए एक नया विजुअल लाइनिंग टूल होता है। जहां तक गूगल प्ले का स्काल है, कंपनी अब अपने बड़े स्क्रीन वाले ऐप गुणवत्ता दिशानिर्देशों के अनुसार ऐप की जांच करेगी और इसकी खोज रैंकिंग इसके परिणामों को ध्यान में रखेगी।

सेबी ने अधिक मतदान अधिकार वाले शेयर से जुड़े पात्रता मानदंड में ढील दी



नयी दिल्ली (एजेंसी)

बाजार नियामक सेबी ने अधिक मतदान अधिकार वाले शेयर जारी करने से संबंधित नियमों में ढील दी है। इस कदम से आधुनिक प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियों को मदद मिलेगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने कहा कि 1,000 करोड़ रुपये से अधिक नेटवर्थ वाले प्रवर्तकों के पास अपनी कंपनियों में अधिक मतदान का अधिकार हो सकता है। इसे मौजूदा 500 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये किया गया है। सेबी ने मंगलवार को एक अधिसूचना में कहा, "अधिक मतदान अधिकार वाले शेयरधारकों का नेटवर्थ पंजीकृत मूल्यांकनों द्वारा निर्धारित 1,000 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगा।" नियामक ने कहा कि एमआईएन (सुपरियर वोटिंग राइट-एसआर) वाले शेयरधारक के व्यक्तिगत नेटवर्थ का निर्धारण करते समय अन्य सूचीबद्ध कंपनियों में उसके निवेश/हिस्सेदारी पर विचार किया जाएगा, लेकिन जरूरतों कंपनी में उसकी शेयरधारिता पर गौर नहीं किया जाएगा। इसके अलावा वॉलटा डॉचा पेश किया था। यह नियम शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने को इच्छुक कंपनी में कार्यकारी पद धारण करने वाले प्रवर्तकों/संस्थापकों को एसआर शेयर जारी करने की अनुमति देता है। मतदान के अधिक अधिकार वाले शेयर कंपनी के प्रवर्तक/संस्थापक को कंपनी के मतदान अधिकार, उसके निदेशक मंडल और कंपनी कार्यों पर नियंत्रण प्रदान करते हैं।

कोयला संकट से ताप बिजली संयंत्रों की 10 प्रतिशत क्षमता अब भी 'प्रभावित': रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)

बिजली की मांग में अस्थायी गिरावट के बावजूद ताप बिजली संयंत्रों की क्षमता का 10वां हिस्सा अब भी 'प्रभावित' है। क्रिसिल रेटिंग्स ने बुधवार को इस बारे में आगाह करते हुए कहा कि शेष बचे वर्ष के दौरान कोयला भंडार 10 दिन से कम का रहेगा। हाल ही में एजेंसी ने कहा था कि कोयले की कमी यदि लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह भारतीय कंपनियों को प्रभावित कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोयला



आधारित निजी बिजली स्टेशनों की 209 गीगावॉट क्षमता का लगभग 10 प्रतिशत कोयले की बढ़ती मांग के बीच प्रभावित है। भारी बारिश के कारण हाल ही में मांग में गिरावट के बावजूद कोयले की कमी बनी हुई है क्योंकि इनका भंडार केवल पांच दिन तक चलने वाला है। इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में घरेलू आपूर्ति में महामारी-पूर्व वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद कोयले की कमी गंभीर बनी हुई है।



एशेज में वार्नर ने ऑस्ट्रेलिया की 4-0 से जीत की भविष्यवाणी की

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ओपनर बल्लेबाज डेविड वार्नर ने गुरुवार को एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मैच में 4-0 से टीम की जीत की भविष्यवाणी की है। उन्होंने यह बात सेन रेडियो स्टेशन से कही है। वार्नर इन दिनों खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और इसलिए हाल ही में दुबई में हुए आईपीएल के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से छह मैचों में उनको बैटन पड़ा था। दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने भविष्यवाणी की है कि टीम एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मैच में विरोधी टीम को धूल चटा देगी। बता दें कि 8 दिसंबर को सीरीज का पहला टेस्ट मैच गाबा में खेला जाएगा। बुधवार को वार्नर ने कहा, यह सीरीज चुनौतीपूर्ण होने जा रही है। ग्लेन मैक्ग्रा को 5-0 से प्यार था। लेकिन मैं मौसम को देखते हुए 4-0 से टीम की जीत के साथ जाऊंगा।

सौरव गांगुली एटीके मोहन बागान के निदेशक मंडल से हटे : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली संजीव गोयनका के स्वामित्व वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल क्लब एटीके मोहन बागान के निदेशक मंडल से हट गए हैं क्योंकि इस उद्योगपति के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की लखनऊ फुटबॉल क्लब के लिए सफल बोलो लगाने के बाद हितों के टकराव की स्थिति बन सकती थी। गांगुली 2014 में आईएसएल की शुरुआत के बाद से एटलेटिको-कोलकाता

का हिस्सा थे। क्लब को बाद में एटीके (आमार तोमार कोलकाता) नाम दिया और फिर बाद में दिग्गज क्लब मोहन बागान के साथ उसका विलय हो गया। गोयनका के आरपी-एसजी समूह ने सोमवार को आईपीएल की लखनऊ टीम 7090 करोड़ रुपये में खरीदी। आईसीसी के एक वरिष्ठ सूत्र ने एक न्यूज एजेंसी से कहा, 'हां, सौरव गांगुली पहले ही एटीके मोहन बागान प्रबंधन को पत्र भेज चुके हैं और उन्हें सूचित कर दिया है कि वह क्लब के निदेशक मंडल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे क्योंकि आरपी-संजीव गोयनका समूह अब

आईपीएल टीम के मालिक हैं और यह हितों के टकराव का मामला हो सकता है। सूत्र ने कहा, 'आईपीएल बोली पूरी होने के बाद यह औपचारिकता थी और गांगुली ने जरूरी काम किया। आरपी-एसजी समूह के बोली में सफल नहीं होने तक यह हितों के टकराव का मामला नहीं था क्योंकि वे आईपीएल का हिस्सा नहीं थे। इससे पहले गोयनका ने सीएनबीसी-टीवी 18 से कहा था कि पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली निदेशक मंडल से हट जाएंगे। गोयनका ने कहा था, 'मुझे लगता है कि वह (एटीके) मोहन बागान



से पूरी तरह से हट जाएगा। मुझे लगता है कि आज। इस बारे में घोषणा सौरव को करनी है। मेरे कहने का मतलब है, माफ कीजिए। मुझे लगता है कि मैंने जल्दबाजी कर दी।

टी20 वर्ल्ड कप: स्कॉटलैंड को हराने के बाद नामीबिया टीम में खुशी की लहर

अबु धाबी (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में बुधवार को हुए मैच में नामीबिया ने स्कॉटलैंड को 4 विकेट से हराकर शानदार जीत हासिल की। इस सफलता के बाद नामीबिया की टीम में खुशी की लहर है। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने कहा कि उनके खिलाड़ियों ने क्रोलीफाइन मैच में दो जीत के बाद सुपर 12 में जगह बनाई थी और वहीं प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए टी20 वर्ल्ड कप में नामीबिया ने स्कॉटलैंड को 108 पर ही रोक दिया था, रुबेल



टम्पेलमैन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए थे, जबकि लक्ष्यों का पीछा करने उतरी टीम के बल्लेबाज स्मिथ ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई थी।

टी20 वर्ल्ड कप: श्रीलंका के खिलाफ मैच में चोटिल स्टार्क का खेलना अनिश्चित

दुबई (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का गुरुवार को श्रीलंका के साथ होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मुकाबले में खेलना अनिश्चित है, क्योंकि ट्रेनिंग के दौरान पैर में चोट लग गई थी। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, बुधवार शाम को नेट प्रैक्टिस के दौरान स्टार्क लंगड़ाते और दर्द में दिखाई दे रहे थे। उसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन उनकी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं। दुनिया के शीर्ष सफेद गेंद वाले गेंदबाजों में शामिल स्टार्क को बुधवार शाम यहां आईसीसी अकादमी में नेट्स सेशन में लंगड़ाते और दर्द में अभ्यास करते हुए देखा गया था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को मंगलवार शाम नेट सत्र के दौरान गेंदबाजी करते समय दाहिने घुटने के ठीक ऊपर चोट लग गई थी और वह साफ तौर पर असहज महसूस कर रहे थे। हालांकि, स्टार्क ने बुधवार को अपने दाहिने पैर पर एक स्टीव लगाकर गेंदबाजी करते दिखे लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें इलाज के लिए जाने से पहले मेडिकल स्टाफ की मदद से नेट से बाहर जाते और तकलीफ झेलते हुए दिखे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने अभी तक उनकी चोट और उपचार के बारे में आधिकारिक रूप से सूचित नहीं किया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि स्टार्क गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच से दूर रह सकते हैं। इस मैच में आर स्टार्क नदारद रहते हैं तो एस्टन एयर के प्रतिस्थापन के रूप में प्लेइंग इलेवन में आने की संभावना है। स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की जीत में चार ओवर में 2/32 विकेट झटककर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राजस्थान के दो पैरालिंपियन खेल रत्न के लिए नामांकित

जयपुर (एजेंसी)।

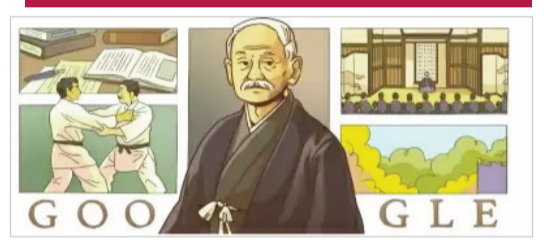
राजस्थान के दो पैरालिंपिक खिलाड़ी अरविन लेखारा और कृष्णा नागर के नाम की सिफारिश खेलों के लिए सर्वोच्च सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए की गई है। दोनों ने हाल ही में आयोजित टोक्यो 2020 पैरालिंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। अरविन ने निशानेबाजी में दो पदक जीते, जबकि नागर ने बैडमिंटन एएसएच6 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। दोनों खिलाड़ी जयपुर के हैं और 1991 में शुरू हुए खेल रत्न के इतिहास में पहली बार एक ही शहर के दो खिलाड़ियों को इस

पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। अरविन पैरालिंपिक या ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एएसएच1 में कांस्य पदक जीता। अरविन पुरस्कार के लिए नामांकित होने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। 2012 में, उनका एक एक्ससिडेंट हो गया था, जिसके कारण उन्हें लकवा मार गया। हालांकि, बहादुर



लड़की ने हार नहीं मानी और शूटिंग का अभ्यास कर सफलता हासिल की। नागर को कहानी भी संघर्षों से भरी है। वह एक लाइलाज बीमारी से पीड़ित थे जिसके कारण उनकी लंबाई लगभग 4.2 फीट तक सीमित हो गई। उनके परिवार ने उन्हें प्रेरित

संक्षिप्त समाचार



गूगल ने डूडल के साथ जूडो के संस्थापक का जन्मदिन मनाया

नई दिल्ली। गूगल ने गुरुवार को जूडो के जापानी संस्थापक कानो जिगोरो का 161वां जन्मदिन जूडो के पिता और खेल पर एक डूडल के साथ मनाया। कई स्लाइड्स के साथ डूडल दिखाता है कि कैसे जिगोरो, जिनका जन्म 28 अक्टूबर, 1860 को हुआ था। उन्होंने विभिन्न मार्शल आर्ट तकनीकों का अध्ययन किया और जूडो की स्थापना की। एनिमेटेड डूडल में जिगोरो को जूडो के विभिन्न श्रौ और तकनीकों को विकसित करते हुए और अन्य शिष्यों को इसे सिखाने के लिए स्कूलों की स्थापना करते हुए दर्शाया गया है। एक जापानी शिक्षक और एथलीट जिगोरो को 1938 में 77 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई थी। उन्होंने ने एक नया खेल बनाने के लिए पारंपरिक रूप को संशोधित करते हुए जूडो के आधुनिक रूप की स्थापना की। जूडो व्यापक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला जापानी मार्शल आर्ट था और आधिकारिक ओलंपिक खेल बनने वाला भी पहला खेल था। यह जिगोरो ही थे जिन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट बेल्ट के उपयोग का आविष्कार किया और मार्शल आर्ट शैली के सदस्यों के बीच सापेक्ष रैंकिंग दिखाने के लिए डैन रैंकिंग की शुरुआत की। कानो के लिए प्रसिद्ध आदर्श वाक्यों में न्यूनतम प्रयास के साथ अधिकतम दक्षता और आपसी कल्याण और लाभ शामिल हैं। एक शिक्षक होने के अलावा, जिगोरो एक खेल प्रशासक भी थे और ओलंपिक खेलों का आयोजन करने वाली अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का हिस्सा बनने वाले पहले एशियाई थे।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेटर एलिसा हीली ने की महिलाओं के लिए आईपीएल कराने की मांग

पर्थ। आईपीएल की दो नई टीमों (लखनऊ और अहमदाबाद) की घोषणा के बाद ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटर एलिसा हीली ने गुरुवार को महिलाओं के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) कराने की मांग की है। बीते सोमवार को आरपीएसजी ग्रुप ने 5020 करोड़ रुपये में लखनऊ टीम और सीबीसी कैपिटलस ने 5625 करोड़ रुपये में अहमदाबाद की टीम को अपने नाम किया था। कोरोना महामारी के कारण महिला टी20 चैलेंज 2020 सीजन नहीं हुआ है, जबकि आईपीएल का 2021 सीजन भारत के बाद दूसरे फेस में यूएई में करवाया गया। एलिसा ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन से कहा, यह व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक था कि उन्होंने महिलाओं के खेलों को स्थगित कर दिया। उन्होंने आईपीएल को लेकर कहा कि जैसे यह दूसरे फेस में टी20 वर्ल्ड कप के नजदीक करवाया गया, वैसे ही महिला टी20 चैलेंज टूर्नामेंट को करवाया जा सकता था। उन्होंने कहा, मैं आशा करती हूँ कि भविष्य में बीसीसीआई महिला आईपीएल कराने के ऊपर विचार करेगी।



नेशनल जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल में भिड़ेंगे झारखंड और हरियाणा

रांची (एजेंसी)।

11वां नेशनल जूनियर वीमेंस हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड और हरियाणा की टीमों फाइनल में पहुंच गयी हैं। फाइनल मुकाबला 29 अक्टूबर शुक्रवार को खेला जायेगा। यह प्रतियोगिता झारखंड के सिमडेगा में पिछले 20 अक्टूबर से चल रही है। गुरुवार को खेले गये पहले सेमीफाइनल में हरियाणा ने नजदीकी मुकाबले में चंडीगढ़ को 3-2 से शिकस्त दी। हरियाणा की ओर से नीलम ने दूसरे और 54वें मिनट में गोल किया। इसके अलावा प्रीति ने 21 वें मिनट में एक गोल दगा। चंडीगढ़ की ओर से कविता और आरती करण्य को

एक-एक गोल किया। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में मेजबान झारखंड ने महाराष्ट्र की टीम को 3-1 के अंतर से हराया। मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा। इस तरह से झारखंड की टीम ने लगातार तीसरे वर्ष फाइनल में जगह बनाई है। झारखंड की ओर से 14वें मिनट में रोपनी कुमारी ने पहला गोल किया। इसके बाद महाराष्ट्र की ओर से 17वें मिनट में काजल ने गोल किया। इसके बाद 42वें मिनट में झारखंड के लिए दीपिका सोरांग और 50 वें मिनट में काजल बाड़ा ने गोल मारा। अंततः मुकाबला 3-1 से छूटा। बता दें कि इस प्रतियोगिता में कुल 26 राज्यों की टीमों ने भाग लिया। इसी



प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों का चुनाव होगा। 29 को दोपहर 3 बजे से होने वाले फाइनल मैच में खेल

मंत्री हफीजुल हसन बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। 20 अक्टूबर को शुरू हुई प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था।



एशिया कप : एएफसी अंडर-23 क्वालीफायर मैच में यूएई ने भारत को हराया

यूएई (एजेंसी)।

एएफसी अंडर-23 के एशियाई कप चैंपियनशिप के क्वालीफायर में यहां फुजैरा सिटी में खेले गए फुटबॉल मैच में भारत को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एकमात्र गोल से हरा दिया। बता दें कि तीन दिन पहले क्वालीफायर मैच में यूएई किर्गिज गणराज्य के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। वहीं, भारत अपना पहला मैच ओमान से जीता था। मैच के दौरान, दोनों टीमों का हाफ टाइम में 0-0 स्कोर था, लेकिन भारत ने 82वें मिनट में विरोधी टीम को बर्दकिस्ती से पेनल्टी दे दी। इसके बाद यूएई का खिलाड़ी अब्दुल्ला इदरीस ने इस मौके का फायदा उठाते हुए गोल कर अपनी टीम को जीत दिला दी। वहीं, युएई के मैच में भी इसी तरह का खेल देखने को मिला। उस मैच में भी पेनल्टी के कारण ओमान ने एक गोल की मदद से किर्गिज गणराज्य को हरा दिया। भारत के कोच इगोर स्टिमेंक ने अपने पिछले गेम में ओमान के खिलाफ 2-1 से जीतने के बाद टीम में केवल एक बदलाव किया था। जिसमें संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मिडफील्ड को और अधिक मजबूत बनाने के लिए अनिकेत जाधव की पर लालेंगमाविया को टीम में शामिल किया गया था। हाफ टाइम से पहले भारत ने यूएई के खिलाफ कई बार पर गोल करने की कोशिश की लेकिन विरोधी टीम ने हर प्रयास को नाकाम कर दिया। इसके बाद 82वें मिनट में भारत की एक गलती पर यूएई ने मैच में बढ़त बनाते हुए जीत दर्ज कर ली।

डेविड वार्नर ने कहा- आईपीएल के अगले सीजन की नीलामी में रखेंगे अपना नाम

सिडनी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सीजन की नीलामी जल्द होने वाली है। इसे लेकर ऑस्ट्रेलिया के ओपनर बल्लेबाज डेविड वार्नर ने गुरुवार को कहा है कि वह आईपीएल के अगले सीजन के लिए नीलामी में अपना नाम देंगे। क्योंकि वह इस लीग में एक नई शुरुआत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बारे में सेन रेडियो स्टेशन को जानकारी दी। वार्नर ने कहा, वह निश्चित रूप से नीलामी पूल में अपना नाम रखेंगे। क्योंकि उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा फिर से टीम में बनाए रखने की उम्मीद नहीं है। इसलिए अगले सीजन में वो एक नई शुरुआत करना चाहते हैं। वार्नर इस समय खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा, अभी भी सनराइजर्स हैदराबाद से उन्हें टीम से बाहर करने के ऊपर कोई स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं हुआ है। वार्नर ने कहा, उन्होंने अपना अंतिम मैच सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला है, साथ ही कहा कि उन्होंने इस टीम के साथ आठ सीजन बिताए हैं, इस दौरान टीम ने 2016 में खिताब अपने नाम किया था। इस बात की खुशी है।



पोकर स्पोर्ट्स लीग (पीएसएल) सीजन 4 यहां एक फिजिटल प्रारूप में है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तीन सत्रों की अविश्वसनीय सफलता के बाद पोकर स्पोर्ट्स लीग (पीएसएल) सीजन 4 यहां एक नए अवतार - फिजिटल में है। गेमिंग क्षेत्र में एकीकृत प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक प्रसार के साथ, इस सीजन का पीएसएल पहले से कहीं अधिक बड़ा और रोमांचक है। भारत की पहली पोकर लीग - पीएसएल के ऑनलाइन क्वालीफायर 25 नवंबर से शुरू हो रहे हैं और लीग दो महीने तक चलेगी और प्रति सप्ताह

2-3 मैच वचुअल रूप से आयोजित किए जाएंगे। महामारी के बाद पहली बार 7 फरवरी से 13 फरवरी, 2022 तक सीजन के समापन का सीधा प्रसारण किया जाएगा। गेमिंग भावना पर सवार होकर टूर्नामेंट खिलाड़ियों को अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करने का मौका देगा और माइंड स्पॉट श्रेणी में नवोदित खिलाड़ियों के लिए रास्ते खोलेगा। यदि प्रतिभागियों का चयन किया जाता है, तो उन्हें क्वालीफायर की तैयारी के दौरान देश में सर्वश्रेष्ठ के साथ अभ्यास करने और अपने खेल में

सुधार करने का एक प्रतिष्ठित अवसर मिलेगा। आपको बस इतना करना है कि हैशटैग पोकर डाउनलोड करें और मूल बातों मुफ्त में सीखें। केपीएमजी के अनुसार, 2025 में 3.9 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की वृद्धि को देखते हुए भारतीय ऑनलाइन गेमिंग उद्योग परिवर्तन के कगार पर है। इस मजबूत विकास ने खिलाड़ियों के लिए बेहतर सामाजिक कौशल, निर्णय लेने के कौशल, बेहतर मस्तिष्क कार्य, प्रमुख कौशल के विकास और स्मृति वृद्धि को बढ़ावा दिया

है। फिजिटल जैसी नई तकनीकों को अपनाया इस विकास का एक वसीयतनामा है, क्योंकि गेम डेवलपर्स और प्रकाशकों को एक बहु-आयामी पारिस्थितिकी तंत्र में उपस्थित होने में प्रत्यक्ष रुचि है, जहां सभी पहलू परस्पर जुड़े हुए हैं। पोकर स्पोर्ट्स लीग के सीईओ और संस्थापक प्रणव बगई ने सीजन की घोषणा करते हुए कहा, गेमिंग क्षेत्र नए रास्ते और तरीके खोल रहा है, जहां शौकिया खिलाड़ी सीख



सकते हैं और क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रशिक्षित हो सकते हैं। संगम को देखकर हम रोमांचित हैं। इस क्षेत्र में तकनीकी एकीकरण के रूप में यह जीवन के हर पहलू में एक पुरस्कृत अनुभव बन गया है। यह कहने के बाद कि पिछले सीजन में हमें एक उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है और हम अपने प्रमुख उत्पाद, पोकर स्पोर्ट्स लीग को इस साल एक फिजिटल प्रारूप में पेश करने के लिए उत्साहित हैं।



बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक के पहले स्टाफ के लिए तैयार वेशभूषा में नजर आया मॉडल्स।

सर्दियों में आपकी सेहत



इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिईं।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है।

● एक चम्मच असंगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रातः-व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुछ कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।

● सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।

● सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।

● सुबह एक पाव उंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।

● प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।

● भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आंवला आदि का सेवन करना चाहिए।

● सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द

दाल का लड्डू, गांजा रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।

● चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।

● ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नींबू पानी और भोजन के पश्चात छछ पीना लाभदायक होता है।

● इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ। अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नींबू और ताजा दही वर्जित नहीं हैं।

● शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।

● सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।

● मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन



सर्दियाँ शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते हैं और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते हैं। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएँ जाने वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरुस्त रखने में मदद करते हैं। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी, फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्व पाएँ जाते हैं पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाएँ जाते हैं जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते हैं। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- ▶ सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- ▶ कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- ▶ सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है, सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुशकी की समस्या भी दूर हो जाती है।
- ▶ सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- ▶ सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खाँसी से भी छुटकारा मिलता है।
- ▶ सिंघाड़े का सेवन करने से होंठों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- ▶ सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर

अजवायन



- ▶ अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- ▶ उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- ▶ दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएँ। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएँ।
- ▶ मुँह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- ▶ सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएँगे।
- ▶ जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- ▶ प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- ▶ वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- ▶ बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएँ।
- ▶ गुँद का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- ▶ शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- ▶ फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से

कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यू तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ भी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।



स्वस्थ रहने के आसान उपाय

सुबह जल्दी उठो और 4-6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी साँसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी साँसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौड़ना, साइकिल चलाना, बुझसवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियाँ चक्की पीसना, रस्सीकूटना, पानी भरना, झाड़ू-पोछ लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छे व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10-15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रातः टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूँगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसमी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्ता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हँसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ

अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूँग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूँगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी इलाज है। मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियाँ खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, संभव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूँ, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हल्के भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे



भर बाद पानी पियें। भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2-4 घंटे पानी अवश्य पियें।

प्रातः उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकोकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव

मौसमी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मेथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहाँ तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।



एरोबिक्स

यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ

स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी माँ के पिटाटे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परिवर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकड़क, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, संदेव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियाँ तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेजोत काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के

लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती हैं। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णाप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिदम पर थिरकना देना है उसके लिए सही रिदम और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग,

साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफोडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माईड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर

प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं। एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुरस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहाँ 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।



सार समाचार

सिंगापुर में कोविड-19 का प्रकोप जारी, रिकॉर्ड 5,324 नए मामले सामने आए

सिंगापुर। सिंगापुर में बुधवार को कोविड-19 के रिकॉर्ड 5,324 नए मामले सामने आए। जिसके बाद देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मामलों में बढ़ोतरी की वजह का पता लगाया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि संक्रमितों में 661 लोग प्रवासी कामगारों के लिए बने सामूहिक आवास में रहने वाले हैं और 12 लोग विदेशों से देश आए। उसने बताया कि संक्रमण के कारण 10 लोगों की मौत भी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि बहुत ही कम समय में संक्रमण के मामलों में हुई असामान्य बढ़ोतरी की वजह पता लगाई जा रही है और अगले कुछ दिन संक्रमण का प्रकोप कैसा रहता है इस पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। सिंगापुर में संक्रमण के कारण अब तक कुल 349 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बुधवार दोपहर तक कोरोना वायरस से पीड़ित 1777 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। यहां अब संक्रमण के कुल 1,84,419 मामले हैं।

इजराइल ने बाहरी समारोहों पर हटाया प्रतिबंध

तेल अवीव। अधिकारियों ने कहा कि इजरायल के मंत्रियों ने शुक्रवार से शुरू होने वाले बाहरी समारोहों के आकार पर कोविड से संबंधित प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है। समाचार एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान के हवाले से कहा कि प्रधानमंत्री नफताली बेनेट और स्वास्थ्य मंत्री निजान होरोवित्ज ने सभाओं पर प्रतिबंध को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की है। कार्यालय ने कहा, शुक्रवार से शुरू होकर, खुले स्थानों पर सभाएं उपस्थिति की सीमा के बिना आयोजित की जा सकती हैं। बाहरी आयोजनों को अभी भी ग्रीन पास के तहत संचालित करने की आवश्यकता होगी, एक एक उपाय जिसे इजराइल ने 17 अक्टूबर को लागू करना शुरू किया था। ग्रीन पास प्रतिबंध रेस्तरां, सिनेमा, समेलन और होटलों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर प्रवेश को सीमित करता है। रविवार को, बेनेट ने इजराइल की सामाजिक कैबिनेट बैठक में कहा कि देश वर्तमान में डेल्टा लहर से बाहर निकल रहा है।

ताइवान में 2 नवंबर से कोविड प्रतिबंधों में दी जाएगी ढील

ताइपे। ताइवान के कार्यकारी प्राधिकरण ने गुरुवार को कहा कि कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों में 2 नवंबर से ढील दी जाएगी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट, प्राधिकरण के अनुसार, कार्यालयों के बाहर में फेस मास्क की आवश्यकता नहीं होगी, और सिनेमाघरों या ट्रेनों में खाने-पीने की अनुमति होगी। सभाओं में लोगों की संख्या पर प्रतिबंध भी हटा लिया जाएगा। ताइवान में मई और जून में एक बड़े कोविड-19 के संक्रमण के बाद, दैनिक संक्रमणों का संख्या घट गई है, हाल ही में केवल इम्पोर्टेड मामले सामने आए हैं। द्वीप की महामारी निगरानी एजेंसी ने धीरे-धीरे प्रतिबंधों को हटा दिया है, जिसमें ट्रेनों के अंदर खाने की अनुमति, मूवी थिएटरों और बाहरी एथलेटिक्स के लिए मास्क को खत्म करना शामिल है। पिछले साल महामारी की शुरुआत के बाद ताइवान में कुल संक्रमित 16,394 हुए, जिसमें 847 मौतें हुई हैं।

सुपर हाई-राइज बिल्डिंग पर चीन की कार्रवाई

नई दिल्ली। चीन ने देश के छोटे शहरों को सुपर हाई-राइज बिल्डिंग बनाने से प्रतिबंधित किया है। 30 लाख से कम आबादी वाले शहरों में 150 मीटर (492 फीट) से अधिक सुपर हाई-राइज बिल्डिंग बनाने पर प्रतिबंध लगाया है। इससे अधिक आबादी वाले लोगों को 250 मीटर से अधिक ऊंची इमारतों से प्रतिबंधित किया जाएगा। 500 मीटर से अधिक ऊंची इमारतों पर पहले से ही प्रतिबंध है। बीबीसी की रिपोर्ट, चीन दुनिया की कुछ सबसे ऊंची इमारतों का शहर है, जिसमें 632 मीटर शंघाई टॉवर और 599.1 मीटर पिंग एन फाइनेंस सेंटर शामिल हैं। स्थानीय रिपोर्टों में कहा गया है कि शंघाई और शूझेन जैसे भीड़-भाड़ वाले शहरों में सुपर हाई-राइज बिल्डिंग की जरूरत हो सकती है, लेकिन अन्य शहरों में जमीन की कोई कमी नहीं है। आकर्षक इमारतों के निर्माण के लिए स्थानीय डेवलपर्स की आलोचना करते हुए, चीन महंगी वैनिटी परियोजनाओं पर नकल कस रही है।

दक्षिण अफ्रीका नवंबर में राष्ट्रीय उद्यानों तक मुफ्त सुविधाएं कराएगा उपलब्ध

जोहान्सबर्ग। साउथ अफ्रीकन नेशनल पार्क ट्रस्ट (सैनपावर्स) के प्रबंध निदेशक ने घोषणा की है कि वार्षिक राष्ट्रीय उद्यान वीक 22-28 नवंबर को आयोजित किया जाएगा, ताकि नागरिकों को इसके ज्यादातर पार्कों तक मुफ्त में पहुंचाया जा सके। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत में गर्व की भावना पैदा करने और जीव विविधता की सराहना करने के लिए सैनपावर्स ने पारंपरिक रूप से सितंबर में एक साप्ताहिक तक चलने वाले कार्यक्रम की मेजबानी की थी। हालांकि, इन्होंने कोविड-19 महामारी पर चिंताओं के कारण सितंबर में स्थगित करने की घोषणा की थी। दक्षिण अफ्रीका में 19 राष्ट्रीय उद्यान हैं। सैनपावर्स के अनुसार, 2006 में फ्री एक्सेस वीक शुरू होने के बाद से, 5,91,000 से अधिक दक्षिण अफ्रीकियों को राष्ट्रीय उद्यानों में आने का मौका दिया गया है।

ब्रिटेन: मछली पकड़ने पर फ्रांस का नियोजित प्रतिबंध निराशाजनक

लॉन्डन, 28 अक्टूबर (आईएनएस)। ब्रिटेन सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि फ्रांस की बंद मछली निराशाजनक है, क्योंकि फ्रांस ब्रिटेन के बाद मछली पकड़ने के अधिकारों को लेकर ब्रिटेन के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि कुछ फ्रांसीसी प्रतिबंध 2 नवंबर से लागू हो सकते हैं, जब तक कि ब्रिटेन के साथ ब्रिटेन के बाद मछली पकड़ने के मामले में प्रगति नहीं हो जाती। फ्रांस ने शिकार के लिए कि केवल अगले लाइसेंस फ्रांसीसी मछली पकड़ने वाली नौकाओं को ब्रिटिश क्षेत्रीय जल में संचालित करने के लिए दिए गए थे। ब्रिटिश सरकार के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, फ्रांस की धमकियां निराशाजनक हैं, हम एक करीबी सहयोगी और साथी से यह उम्मीद नहीं करेंगे।

पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख बाजवा के बीच क्यों छिड़ा है शीत युद्ध? ये हैं 5 मुख्य कारण

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।
एक समय था जब पाकिस्तान के इमरान खान और सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के बीच दोस्ती हुआ करती थी। जनरल कमर जावेद बाजवा के सेना में कार्यकाल को बढ़वाने के लिए इमरान खान ने कानून बदल दिया था और बाजवा का कार्यकाल बढ़वा दिया था लेकिन अभी कुछ ही साल बीते हैं कि दोनों के बीच तनाव को खबरें आनी शुरू हो गयी। समय-समय में पाकिस्तान में सरकार और सेना के बीच आपसी तनाव देखने को मिला। डीजी आईएसआई चीफ को लेकर यह पूरा बवाल मचा हुआ है लेकिन इस शीत युद्ध में जनरल

कमर जावेद बाजवा का पलड़ा भारी रहा और इमरान खान के हाथ कुछ नहीं लगा। चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू हुआ बाजवा और इमरान खान के बीच विवाद।

इमरान खान और बाजवा के बीच तनाव की वजह

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने अपने उम्मीदवार लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को पाकिस्तान को जासूसी एजेंसी आईएसआई के प्रमुख के रूप में नियुक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री इमरान खान नहीं चाहते थे कि लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को इस समय आईएसआई का प्रमुख

बनाया जाए। दरअसल इस समय पाकिस्तान और तालिबान के बीच नये सिरे से संबंध बन रहे हैं ऐसे में इमरान खान चाहते थे कि मौजूदा समय में जो वर्तमान प्रमुख है वह ही अपने स्थान पर बना रहे लेकिन जनरल बाजवा चाहते थे कि आईएसआई के प्रमुख को बदलने का यह सही समय है इस लिए नये व्यक्ति को आना चाहिए। दोनों के बीच इसी मुद्दे को लेकर कई बार हुई लेवल की मीटिंग्स भी हो चुकी हैं लेकिन नतीजे बेअसर हुए। अब पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने अपने सैन्य दबदबे और राजनीतिक दोनों को दिखाते हुए लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को नया आईएसआई



प्रमुख नियुक्त किया और बाजवा के फैसले के आगे इमरान खान की एक नहीं चली।

अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के बीच आई दरार? पोल नंबरों में गिरावट के बाद कमला हैरिस ने बाइडेन से बनाई दूरी

वाशिंगटन (एजेंसी)।
अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की जोड़ी वहां बहुत पसंद की जाती है। ये जोड़ी अक्सर साथ देखी भी जाती है। लेकिन अब जो बाइडेन और कमला हैरिस साथ नजर नहीं आते हैं। अमेरिका की उपराष्ट्रपति बनने के बाद शुरुआती दिनों में कमला हैरिस ज्यादातर जो बाइडेन के साथ ही नजर आती थीं। लेकिन अब वो मुश्किल से ही किसी कार्यक्रम में बाइडेन के साथ स्टेज शेयर करती हैं। इस वजह से अमेरिका के राजनीतिक गलियारे में ये चर्चाएं तेज हो गई हैं कि गिरते पोल नंबरों के बीच क्या कमला हैरिस जो बाइडेन से दूरी बना रही हैं। इसके साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि दोनों के बीच दरार आ चुकी है।

वैसे ये अटकलें पहली बार अमेरिका के दक्षिणपंथी मीडिया में प्रसारित की गई थीं। इन कहानियों को हवा इसलिए मिली क्योंकि सर्वजनिक मंच पर दोनों कम ही नजर आते हैं। जबकि शुरुआती दिनों में बाइडेन ने नए प्रशासन को बाइडेन-हैरिस प्रशासन कहकर संबोधित किया था। फरवरी में दोनों 38 बार साथ में नजर आए थे। जबकि इस महीने बाइडेन और कमला को सिर्फ सात बार एक साथ देखा गया है।

व्या कहते हैं आंकड़े

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जनवरी में दोनों 20



बार एक साथ नजर आए थे। इसके बाद फरवरी में 38 बार दोनों एकसाथ देखा गया। अगस्त में सिर्फ 16 बार दोनों एक मंच पर दिखे और यह आंकड़ा सितंबर में घटकर आधा रह गया। अक्टूबर में अभी तक सिर्फ एक बार बाइडेन और हैरिस प्रेस के सामने नजर आए और छह बार डेली ब्रीफिंग और लंच जैसे अवसरों पर एक-दूसरे से मिले।

व्हाइट हाउस ने अटकलों को किया खारिज

हालांकि व्हाइट हाउस ने इन अटकलों को खारिज

किया है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों के बीच मुलाकात साप्ताहिक लंच पर होती है। इस दौरान राष्ट्रपति की तरफ से उन्हें दिए गए सभी कामों में मदद की जाती है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता इस महीने की शुरुआत में व्हाइट हाउस ब्रीफिंग में कहा था कि कमला हैरिस बिडेन की पसंद हैं। वह उनकी पहली और आखिरी सहयोगी हैं और दोनों एक साथ काम करना जारी रखेंगे। लेकिन आंकड़े दोनों के बीच दूरियों की ओर इशारा करते हैं।

गरीबी की कगार में आए पाकिस्तान की मदद करेगा सऊदी अरब, तीन अरब डॉलर की देगा मदद

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

सऊदी अरब नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सुरक्षित जमाओं के रूप में तीन अरब डॉलर और 1.2 अरब डॉलर तथा 1.5 अरब डॉलर मूल्य का तेल उधार देने पर सहमत हो गया है। समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की सऊदी यात्रा के दौरान हुए समझौते के बारे में औपचारिक घोषणा उनके सलाहकार (वित्त और राजस्व) के अधिकारी के हवाले से कहा गया

हममा अजहर करेंगे। सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने सऊदी अरब सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता के बारे में ट्विटर बताया। उन्होंने ट्वीट किया, 'सऊदी अरब ने पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक के आइएमएफ कार्यक्रम के पूरा होने तक इसे जारी रखा जाएगा। इसमें अलावा सऊदी सरकार हर साल 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक का तेल उधार देगी।



दौरान 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के पेट्रोलियम उत्पाद का खर्च भी उठाएगा।' रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया कि सऊदी सरकार तत्काल एक साल के लिए पाकिस्तान के खाते में तीन अरब अमेरिकी डॉलर जमा करेगी और कम से कम अक्टूबर 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कार्यक्रम के पूरा होने तक इसे जारी रखा जाएगा। इसमें अलावा सऊदी सरकार हर साल 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक का तेल उधार देगी।

सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी नौसेना प्रमुख के साथ की बातचीत

सियोल। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री सुह वूक ने गुरुवार को अमेरिकी नौसेना सचिव कार्लोस डेल टोरो के साथ बातचीत की। इस वार्ता के दौरान उन्होंने कोरियाई प्रायद्वीप की सुरक्षा, द्विपक्षीय गठबंधन और अन्य मुद्दों पर चर्चा की। योन्हाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट, रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उत्तर कोरियाई मिसाइल लॉन्च की एक हालिया श्रृंखला के बाद, और वॉयंग्यांग के साथ बातचीत को फिर से शुरू करने के लिए संयुक्त प्रयासों को आगे बढ़ाने के बाद, सियोल और वाशिंगटन ने अपनी रक्षा तैयारी सुनिश्चित करने के लिए रक्षा मंत्री सुह और नौसेना सचिव डेल टोरो के बीच बातचीत हुई। मंत्रालय ने कहा, बैठक के दौरान, डेल टोरो ने उम्मीद व्यक्त की कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया पूर्वी एशिया में स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने और भारत-प्रशांत क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने के लिए मिलकर काम करेंगे। सचिव ने यह भी कहा कि दोनों देशों की नौसेनाओं और मरीन कोर के बीच घनिष्ठ सहयोग से गठबंधन को और विकसित करने में मदद मिलेगी।

अफगानिस्तान की वर्तमान स्थिति को लेकर भारत चिंतित, पेंटागन के एक शीर्ष अधिकारी का बयान

वाशिंगटन। (एजेंसी)।
अमेरिका के रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के एक शीर्ष अधिकारी ने अमेरिकी सांसदों से कहा कि अफगानिस्तान की वर्तमान स्थिति को लेकर भारत चिंतित है। नीतिगत मामलों के लिए अवर रक्षा सचिव कॉलिन एच कहल ने अफगानिस्तान, दक्षिण एवं मध्य एशिया सुरक्षा पर सुनवाई के दौरान सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों से कहा, 'मुझे यकीन है कि आप इस बात से अवगत हैं कि वे (भारतीय) अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर चिंतित हैं, वे वहां की अस्थिरता और आतंकवाद विरोधी अपनी चिंताओं को लेकर परेशान हैं। कहल ने कहा, 'वे (भारतीय) इन मुद्दों पर हमारे साथ काम करना चाहते हैं, खुफिया जानकारी साझा करने समेत जहां भी हम उन्हें सहयोग कर सकते हैं। यह हमें न केवल अफगानिस्तान



के संबंध में और आतंकवाद के खिलाफ, बल्कि हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत में व्यापक क्षेत्रीय सुरक्षा विषयों के प्रति भारत के साथ सहयोग के अवसर प्रदान करता है।' कहल ने यह बयान सीनेट गैरी पीटर्स के एक सवाल के जवाब में दिया। उन्होंने कहा, 'अफगानिस्तान के प्रति भारत की नीतियों की कल्पना बड़े पैमाने पर पाकिस्तान के साथ प्रतिस्पर्धा और छद्म संघर्ष को ध्यान में रखकर की जाती है। यह भी एक कारण है कि भारत को इस आशंका को लेकर चिंतित नहीं होना

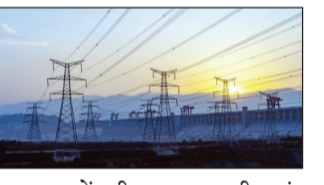
चाहिए कि तालिबान सरकार, भारत विरोधी आतंकवादी संगठनों को फायदा पहुंचा सकती है, खासकर जो कश्मीर के आसपास हैं। उन्होंने कहा, 'इस महत्वपूर्ण भागीदार के साथ संयुक्त सहयोग तथा मिलकर काम करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और यह तथ्य कि भारत, अमेरिका का एकमात्र नामित प्रमुख रक्षा भागीदार है...मेरा मानना है कि हमारे लिए एक समझना महत्वपूर्ण है कि अफगानिस्तान के प्रति उसका दृष्टिकोण कैसा है और आगे कैसा रहेगा। सीनेट के कहल ने कहा कि पाकिस्तान को चुनौतीपूर्ण भूमिका पेश करता है, लेकिन वह नहीं चाहता कि अफगानिस्तान आतंकवादी हमलों या बाहरी हमलों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बने।

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निकी हेली और सांसद माइक वाल्ट्ज ने भारत एवं अमेरिका के बीच गठबंधन का आह्वान करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों को क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख के बीच अतिवृद्धि ताकत को बरकरार रखने और विस्तार देने में मदद मिलेगी। वाल्ट्ज प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष हैं। हेली और वाल्ट्ज ने प्रतिष्ठित 'फोरेन पॉलिसी' पत्रिका के ताजा संस्करण में लिखा, '10 लाख से अधिक सैन्यबलों वाली एक परमाणु शक्ति के रूप में, मजबूत होती नौसेना और एक शीर्ष स्तरीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ और अमेरिका के एक पुराने आर्थिक एवं सैन्य सहयोगी के रूप में भारत एक मजबूत साझेदार बनेगा।' उन्होंने कहा, 'भारत के साथ गठबंधन से दोनों देशों को अपनी वैश्विक ताकत को बरकरार रखने और विस्तार देने में मदद मिलेगी तथा अमेरिका

नेपाल ने सरप्लस बिजली के अधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दरों में की कटौती

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाली अधिकारी बिजली दरों में औसतन 2.84 फीसदी की कटौती करके अधिक बिजली की खपत को प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि दक्षिण एशियाई देश जलविद्युत का सरप्लस (अधिशेष) पैदा कर रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बिजली नियामक आयोग ने उन घरों के लिए ऊर्जा शुल्क माफ कर दिया है जो प्रति माह 20 यूनिट से कम खपत करते हैं, हालांकि उन्हें हर महीने न्यूनतम 30 नेपाली रूपये (24 डॉलर) का सेवा



देश भर में पीक-आवर की मांग 1,500 मेगावाट से कुछ अधिक थी। वहीं अन्य समय में, बिजली की मांग 1,300 मेगावाट से कम हो जाती है। एनईए के प्रवक्ता सुरेश बहादुर भट्टराई ने कहा कि भारत को सरप्लस ऊर्जा बेचने के नेपाल के प्रस्ताव को अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है।

म्यांमार में तख्ता पलट के बाद सेना का दिखा निर्दयी रूप, बिजली के झटके, पिटाई और दी जा रही यातनाएं

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।
जकार्ता। एक भिक्षु को शर्मिंदा करते हुए उन्हें एक मेंढक की तरह चलने पर मजबूर किया, एक लेखा अधिकारी को बिजली के झटके दिए गए और एक कलाकार के सिर पर तब तक चोट की गई जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गया। म्यांमार में इस साल फरवरी में तख्तापलट किए जाने के बाद से सेना उन लोगों को यातनाएं दे रही है जिन्हें उसने देशभर से बड़े ही सुनियोजित तरीके से हिरासत में लिया था। एपी की जांच में यह पता चला है। म्यांमार में सेना ने युवाओं और लड़कों समेत हजारों लोगों को अगवा किया, शवों और घायलों का इस्तेमाल आतंक फैलाने के लिए किया और वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौरान चिकित्सकमियों पर जानबूझकर हमले

किए। फरवरी से अब तक सुरक्षा बलों ने 1,200 से अधिक लोगों की हत्या की जिनमें से अनुमानित करीब 131 लोगों को यातनाएं देकर मार डाला। सेना द्वारा प्रताड़ित किए गए कुछ लोगों की कहानियां सेना की पकड़ से भागते समय 31 वर्षीय भिक्षु को गोली मारी गई, उन्हें हथकड़ी लगाई गई और डंडों तथा राइफलों से पीटा गया। सुरक्षा बलों ने उनके सिर, छाती और पीठ में लात मारी। उन्होंने आपराधिक इरादे के सबूत बनाने के लिए भिक्षु और अन्य प्रदर्शनकारियों की नैसलिन की बोतलों के साथ फोटो खिंचवाई। सैनिकों ने भिक्षु को आम लोगों जैसे कपड़े पहनने को मजबूर किया और उन्हें मांडले पैलेस में बनाए गए उत्पीड़न केंद्र भेज दिया। भिक्षु कहते हैं,

'वह पूछताछ केंद्र किसी नर्क की तरह था।' भिक्षु को मेंढक की तरह चलने पर मजबूर किया गया, उन्हें ऐसे बंदीगृह में रखा गया जहां शौचालय नहीं था। कैदियों को एक कोने में पेशाब करना पड़ता था और प्लास्टिक की थैलियों में मल त्याग करना होता था। छह दिन बाद भिक्षु को पुलिस थाने भेजा गया जहां उन्हें 50 अन्य कैदियों के साथ एक काल कोठरी में रखा गया। वहीं भी यातनाएं जारी रहीं। पुलिस थाने में 21 साल के लेखापाल को पूछताछ शुरू हुई, उसे लात घूंसे से पीटा गया उसके सिर पर मारा गया। फिर उसकी आंखों पर पट्टी बांधकर उसे गंगून के पूछताछ केंद्र ले जाया गया। एक सैनिक ने उससे पूछा कि श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोटों से उसका क्या संबंध है। जब उसने किसी भी संबंध से इनकार किया तो उसे

फिर बुरी तरह से पीटा गया। सैनिकों ने पीवीसी पाइप से उसकी पीठ पर मार की और छाती पर लात मारी। वह उसे शरीर के केवल उन्हीं हिस्सों पर मारते थे जिन्हें कपड़ों से छिपाया जा सके। वह बेहोश हो चुका था। उसके सिर पर बर्फ का पानी डालकर उसे जगाया गया। इसके बाद उसे बिजली के झटके दिए गए। उसे पूछताछ केंद्र से तब जाकर छोड़ा जब उसके परिजनो ने अधिकारियों को पैसे दिए। लेकिन इसके तुरंत बाद सैनिक उसे एक अन्य पूछताछ केंद्र ले गए। जहां उसे बुरी तरह से फिर मारा पीटा गया और गहरे काले अंधेरे कमरे में रखा गया। आखिरकार उसे उस बयान पर हस्ताक्षर करने पड़े जो पहले से तैयार किया जा चुका था। लेखापाल के पिता ने फिर से पैसे दिए जिसके बाद उसे छोड़ा गया। एक युवा

कलाकार के अनुभव भी कुछ ऐसे ही रहे। सुरक्षा बलों ने एक प्रदर्शन के दौरान 21 साल के कलाकार को गिरफ्तार किया और उसके सिर पर तब तक मार की जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गया। जब वह जागा तो उसने सुना की एक सैनिक कह रहा था, 'तीन लड़कों को मौत के घाट उतार चुका हूँ।' कलाकार बताता है, 'वह हमें जान से मारने वाले थे।' लेकिन तभी स्थानीय पुलिस वहां आ गई और उसने सैनिकों से कहा कि वह इस युवा की हत्या नहीं कर सकते हैं। इसके बाद कलाकार को पुलिस थाने और उसके बार यंगून के पूछताछ केंद्र ले जाया गया जहां उसे चार दिन रखा गया। उसने कहा, 'पूछताछ केंद्र जाने के बाद मैंने कोशिश की कि कोई उम्मीद न रखूँ।'

कलाकार के अनुभव भी कुछ ऐसे ही रहे। सुरक्षा बलों ने एक प्रदर्शन के दौरान 21 साल के कलाकार को गिरफ्तार किया और उसके सिर पर तब तक मार की जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गया। जब वह जागा तो उसने सुना की एक सैनिक कह रहा था, 'तीन लड़कों को मौत के घाट उतार चुका हूँ।' कलाकार बताता है, 'वह हमें जान से मारने वाले थे।' लेकिन तभी स्थानीय पुलिस वहां आ गई और उसने सैनिकों से कहा कि वह इस युवा की हत्या नहीं कर सकते हैं। इसके बाद कलाकार को पुलिस थाने और उसके बार यंगून के पूछताछ केंद्र ले जाया गया जहां उसे चार दिन रखा गया। उसने कहा, 'पूछताछ केंद्र जाने के बाद मैंने कोशिश की कि कोई उम्मीद न रखूँ।'

सार समाचार

कोरोना गाइड लाइन को ध्यान में रखकर इसबार होगी स्वर्णमयी माँ अन्नपूर्णा के दर्शन

वाराणसी। प्रत्येक वर्ष धनतेरस से शुरू होने वाली स्वर्णमयी माँ अन्नपूर्णा का दर्शन इस वर्ष 02 नवंबर से यानी धनतेरस पर्व से शुरू होगा। जो 05 नवंबर अन्नकूट पर्व तक चलेगा। दर्शन-पूजन और आयोजन के संदर्भ में गुरुवार को बांसफाटक स्थित श्रीकाशी अन्नपूर्णा अन्नक्षेत्र ट्रस्ट के दूसरी शाखा के सभागार में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें महंत शंकरपुरी ने बातचीत में बताया कि इस वर्ष भी पूरा विश्व कोरोना महामारी जूझ रहा है। बाबा विश्वनाथ और मां भगवती के आशीर्वाद से अब सारी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे पट्टी पर आ गई हैं, लेकिन खतरा अभी भी टला नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि धनतेरस 02 नवंबर से शुरू हो रहे स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के दर्शन के दौरान कोविड-19 के बचाव के लिए जारी गाइडलाइन का पालन कराते हुए ही भक्तों को दरबार में प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही सभी कोरोना प्रोटोकॉल को पूरा करते हुए भक्त मंदिर के प्रथम तल पर स्थित माता के भव्य दर्शन करंगे और इतना ही नहीं गेट पर ही माता का खजाना और लावा वितरण का कार्यक्रम भक्तों में किया जाएगा। केवल पहले दिन ही भक्तों को पीछे के रास्ते से राम मंदिर परिसर से होते कालि मंदिर के प्रबन्धक काशी मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर में जगह-जगह वालेंटियर तैनात किए जाएंगे।

दिल्ली पुलिस सब इंस्पेक्टर के घर सीबीआई का छापा, 1.12 करोड़ नकद बरामद

नयी दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्तखोरी के मामले में गिरफ्तार दिल्ली पुलिस उपनिरीक्षक के आवास पर छापे के दौरान 1.12 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मैदान गढ़ी थाने में तैनात भोजराज सिंह को बुधवार को 50 हजार रुपये की कथित रूप से रिश्त खते पकड़ा गया था। अधिकारियों ने कहा कि उनकी कार की तलाशी के दौरान, सीबीआई ने 5.47 लाख रुपये से अधिक नकद बरामद किया, जबकि उनके आवास पर तलाशी के दौरान 1.07 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। सीबीआई प्रवक्ता आर सी जोशी ने बताया, "मैदान गढ़ी पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक के खिलाफ शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि उसने शिकायतकर्ता और उसके दोस्त को पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में सहयोग करने और जमानत याचिकाओं का विरोध नहीं करने के लिए शुरू में पच लाख रुपये की रिश्त मांगी थी और बाद में 27 अक्टूबर को कम से कम दो लाख रुपये देने को कहा था।" अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पुष्टि के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और कथित तौर पर रिश्त खते हुए सिंह को गिरफ्तार कर लिया। जोशी ने कहा, "गिरफ्तार आरोपी को गुरुवार को दिल्ली की संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा।"

पटाखों के इस्तेमाल और खरीद-बिक्री पर प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर दिसंबर में होगी सुनवाई

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह दीपावली के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर दिसंबर में सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने मामले को 13 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया क्योंकि याचिकाकर्ता के मुख्य वकील आज उपलब्ध नहीं थे। उच्च न्यायालय ने जब कहा कि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में पटाखों के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध से संबंधित ऐसा ही मामला उच्च न्यायालय के समक्ष भी लंबित है, तो दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि शीर्ष अदालत में इसे बृहस्पतिवार को ही सूचीबद्ध किया गया। उच्च न्यायालय दो व्यक्तियों-राहुल सांवरिया और तनवीर द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिन्होंने दावा किया है कि दिल्ली सरकार का पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय अनुचित है क्योंकि शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में कभी भी पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध का आदेश नहीं दिया है।

परमबीर सिंह पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए मुंबई पुलिस पहुंची कोर्ट

मुंबई। मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह को मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। बीते दिनों उनके वेतन रोके जाने की खबर सामने आई थी। अब क्राइम ब्रांच की तरफ से परमबीर सिंह का कोई सुराग नहीं मिल रहा है। कल अर्जी पर 29 अक्टूबर को सुनवाई होगी। समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परम बीर सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के लिए एस्प्लेनेड कोर्ट के समक्ष एक याचिका दायर की। उसके खिलाफ उगाही के एक मामले में कोई सुराग नहीं मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने कोर्ट का रुख किया है।

पंजाब की स्थिति को संभालने में जुटे राहुल गांधी ! मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से 2 घंटे तक की बात

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से मुलाकात की। इस दौरान सगुन महासचिव केशी वेणुगोपाल और पंजाब कांग्रेस प्रभारी हेरीश चौधरी भी मौजूद रहे। आपको बता दें कि राहुल गांधी और चरणजीत सिंह चन्नी के बीच में करीब 2 घंटे तक बातचीत हुई।

अखिलेश यादव बोले- चुनाव में खदेड़ा तो होगा ही, यूपी से भाजपा का सफाया भी होगा



लखनऊ। (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा का उत्तर प्रदेश से सफाया हो जाएगा। सपा प्रमुख ने आजमगढ़ के दुर्गा जी इंटर कॉलेज में मेधावी छात्रों को लैपटॉप वितरित करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, आजमगढ़ समाजवादी लोगों का गढ़ है और इस बार ऐसा कुछ होगा

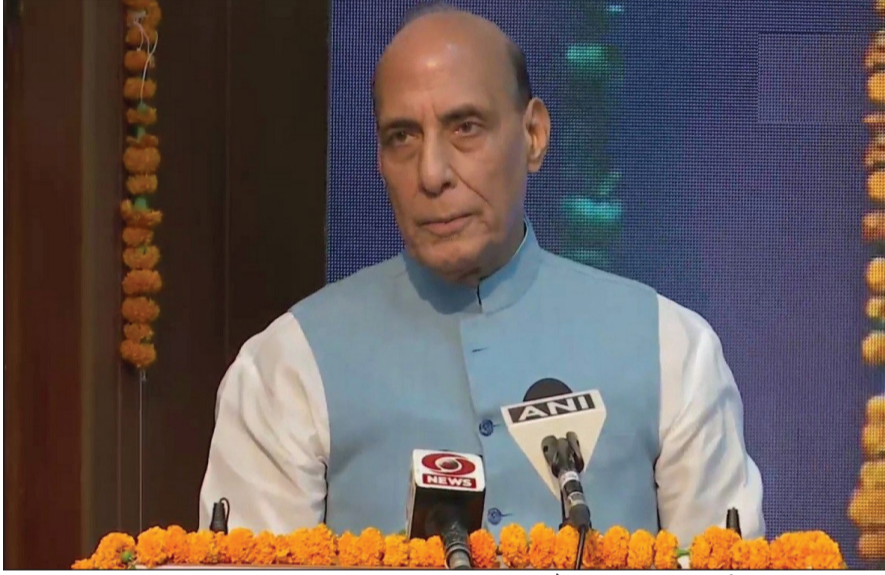
जिसकी भाजपा ने कल्पना भी नहीं की होगी। भारतीय जनता पार्टी का सफाया होगा क्योंकि इन लोगों ने आपकी नौकरी का सफाया किया है। समाजवादी पार्टी (सपा) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव गठबंधन कर लड़ने का औपचारिक ऐलान किया था। सुभासपा के 19वें स्थापना दिवस के मौके पर यहां आयोजित वॉच, पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक भागीदारी महापंचायत में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सुभासपा के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तुणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी द्वारा दिए गए खला होबे के नारे की तर्ज पर उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में खदेड़ा होबे का नारा दिया। बृहस्पतिवार को आजमगढ़ में

किसानों से मुखातिब होते हुए अखिलेश यादव ने कहा किसान भाइयों बताओ आप भाजपा का सफाया करोगे कि नहीं, आपकी फसल चौपट हो गई, नौकरी रोजगार है नहीं, नौजवान क्या सपने देखें, जब तक नौजवान सपने नहीं देखेगा तब तक देश तरकी नहीं कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को समस्याओं का प्रदेश बना दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने अपनी सरकार में नई पीढ़ी को लैपटॉप दिया। मैंने कहा था कि जब कोई नया सपना देखेगा तो यह लैपटॉप मदद करेगा। किसी भी गांव में चले जाओगे तो कोई न कोई बच्चा जरूर मिल जाएगा जिसके पास हमारा दिया लैपटॉप होगा और उसे आन करोगे तो आज भी नेताजी (मुलायम सिंह यादव) और हम ही लोग नजर आएं। आजमगढ़ के मेधावी छात्रों

को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह जो बच्चे बैठे हैं यह सभी मेधावी छात्र हैं, जिन्होंने अपने परिश्रम से, अपनी मेहनत से, कठिन परीक्षा को पास कर सबसे अच्छे नंबर प्राप्त किए हैं। जिस समय इनका रिजल्ट और परिणाम आया मुझे लगा कि सरकार के लोग इन बच्चों का सम्मान करने का काम करेंगे। मुझे इसलिए भी लगा क्योंकि भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र मैंने पढ़ा था। भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में लिखा है कि जो बच्चे आगे पढ़ने जाएंगे उनको लैपटॉप दिया जाएगा, टेबलेट दिए जाएंगे और साथ ही साथ डेटा भी फ्री दिया जाएगा, उन संस्थानों को वाईफाई से जोड़ा जाएगा। यादव ने कहा कि आज लगभग साढ़े चार साल पूरे हो गए, इनका कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। राज्य की 24 करोड़ जनता इन्हे ढूँढ रही है।

शांतिप्रिय देश है भारत, राजनाथ बोले- ज़रूरत हुई तो किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। चंडीगढ़ में 'टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी' के लोगों को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हमेशा शांतिप्रिय देश रहा है पर हम किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। न्यूज एजेंसी हट्टू के मुताबिक राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी समय 2 कमरों से शुरू हुई यह लेबोरेटरी आज देश को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक और क्षमताएं प्रदान करने वाले लेबोरेटरी बन चुकी है। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत हमेशा से एक शांतिप्रिय देश रहा है और आज भी है। किसी भी विवाद को अपनी तरफ से शुरू करना हमारे मूल्यों के खिलाफ है। अगर ज़रूरत होती है तो हमारा देश किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम कहते थे कि दुनिया में भय की जगह नहीं है। एक शक्ति ही दूसरी शक्ति का सम्मान करती है। भारत को हम सशक्त बनाना चाहते हैं ताकि दुनिया में बड़ी से बड़ी ताकत के सामने आंख झुकाकर नहीं बल्कि आंख में आंख डालकर बात करना पड़े। वहीं इस मौके पर सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने कहा कि सीमाओं पर चुनौतियां हैं और इनका सामना



करने के लिए हमें उच्च तकनीकी सिस्टम की जरूरत है। हमारे प्रतिद्वंद्वी तेजी से युद्ध में तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका मुकाबला करने के लिए हमें भी तकनीक का इस्तेमाल करना होगा। हमें टीबीआरएल (टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी) पर बहुत गर्व है क्योंकि आप जिस तरह का काम कर रहे हैं, उससे हमारे सशस्त्र बलों को सक्षम बनने में मदद मिलेगी। अभी ज़रूरत है, सीमाओं पर हमारे सामने चुनौतियां हैं।

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर बोले, भाजपा अगले कई दशकों तक कहीं नहीं जाने वाली

पणजी। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारतीय राजनीति के केंद्र में रहेगी और "अगले कई दशकों तक यह कहीं जाने वाली नहीं है।" गोवा में होने वाले विधानसभा चुनाव में तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की जीत की रणनीति तैयार कर रहेकिशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस सोच के लिए उन पर तंज किया कि लोग भाजपा को तत्काल उखाड़ फेंकेगे। एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें किशोर गोवा में एक निजी बैठक को संबोधित करते नजर आ रहे हैं। "इंडियन पॉलिटिकल एवशन कमेटी' (आई-पीएसी) के एक वरिष्ठ नेता ने इस बात की पुष्टि की कि यह वीडियो बुधवार को हुई एक निजी बैठक का है। किशोर आई-पीएसी के प्रमुख हैं। इस वीडियो में किशोर यह कहते नजर आ रहे हैं "भारतीय जनता पार्टी चाहें जीते या हारे, वह राजनीति के केंद्र में रहेगी, जैसा कि पहले 40 वर्षों में कांग्रेस के लिए था, भाजपा कहीं नहीं जा रही है।" उन्होंने कहा, "भारत के स्तर पर एक बार आयोजित प्रेस से अधिक वोट हासिल कर लें, तो फिर आप जल्दी कहीं नहीं जाने वाले। इसलिए, इस जाल में कभी मत फंसना कि लोग मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) से नाराज हैं और वे उन्हें उखाड़ फेंकेगे।"

टीवी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी ने कहा- राहुल गांधी के मार्गदर्शन में काम करने को लेकर उत्सुक

मुंबई। (एजेंसी)। टीवी अभिनेत्री काम्या पंजाबी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गई हैं और उन्होंने कहा है कि वह पार्टी नेताओं राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाद्रा के मार्गदर्शन में काम करने को लेकर उत्सुक हैं। पंजाबी, बन् में तेरी दुल्हन, मर्यादा और शक्ति जैसे टीवी शो में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। बुधवार को मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भाई जगताप की उपस्थिति में वह पार्टी में शामिल हुईं। पंजाबी (42) ने बृहस्पतिवार को टि्वटर पर जगताप और राजनीतिक कार्यकर्ता-स्तंभकार तहसीन पूनावाला को

टैग करते हुए समारोह की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, मेरे नये सफर की सुंदर शुरुआत! इतनी गर्मजोशी से स्वागत के लिए मैं जगताप और तहसीन पूनावाला का बहुत-बहुत धन्यवाद राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी के नेतृत्व में काम करने के लिए उत्सुक हूँ। पूनावाला ने भी कांग्रेस में अभिनेत्री का स्वागत किया और लिखा कि उन्हें विश्वास है कि पंजाबी लोगों की बेहतर सेवा करेगी। पंजाबी 2013 में रियलिटी शो बिग बॉस में एक प्रतियोगी के रूप में भी दिखाई दी थीं।



युद्ध के नए क्षेत्र क्षेत्रीय सीमाओं से नागरिक समाज में चले गये हैं : डोभाल

कोलकाता (एजेंसी)। पुणे (महाराष्ट्र) राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि युद्ध के नए क्षेत्र, क्षेत्रीय सीमाओं से नागरिक समाज (सिविल सोसाइटी) में चले गये हैं। लोगों का स्वास्थ्य, उनके कल्याण एवं सुरक्षा की भावना और सरकार को लेकर उनकी धारणा जैसे कारक किसी राष्ट्र की इच्छा को प्रभावित करते हैं। 'पुणे इंटरनेशनल सेंटर' द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा पर आयोजित 'पुणे डायलॉग' (पीडीएनएस) 2021 में 'आपदाओं और महामारियों के युग में राष्ट्रीय सुरक्षा की तैयारियों' के विषय पर डोभाल ने कहा कि आपदाओं और महामारियों से अलग-थलग होकर नहीं



निपटा जा सकता। डोभाल ने कहा, "वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में हो रहे बदलावों से आप सभी अवगत हैं। देश के राजनीतिक और सैन्य उद्देश्यों को हासिल करने के लिए ऐसे युद्ध लगातार अधिक खिंचे जा रहे हैं।" डोभाल ने कहा, "युद्ध के नए क्षेत्र, क्षेत्रीय सीमाओं से नागरिक समाज में चले गये हैं। लोगों का स्वास्थ्य, उनके कल्याण

एवं सुरक्षा की भावना और सरकार को लेकर उनकी धारणा जैसे कारकों का महत्व बढ़ गया है। ये सभी कारक राष्ट्र की इच्छा को प्रभावित करते हैं।" उन्होंने कहा कि लोगों को गलत तथा प्रयोजित प्रचार से बचना भी सूचना क्रांति के दौर में "बेहद महत्वपूर्ण" बन गया है और इन सभी चुनौतियों व रणनीतियों को अधिकतम अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए सुरक्षा योजना में शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, "यह सामाजिक असंतुलन उत्पन्न करता है, जो राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और यहां तक कि एक राष्ट्र की बाहरी एवं आंतरिक खतरों का डटकर मुकाबला करने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है।"

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को नीट 2021 के परिणाम घोषित करने की अनुमति दी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को देशभर में स्नातक स्तरीय चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय घातक प्रवेश परीक्षा (नीट) के परिणाम घोषित करने की बृहस्पतिवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति भी आर गवई की पीठ ने एनटीए को नीट के परिणाम घोषित नहीं करने तथा दो अभ्यर्थियों के लिए फिर से परीक्षा कराने के निर्देश देने संबंधी बंबई उच्च न्यायालय के हालिया आदेश पर रोक लगा दी। दोनों विद्यार्थियों के प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट महाराष्ट्र के एक परीक्षा केंद्र में आपस में मिल गये थे। पीठ ने एनटीए को और से पक्ष रख रहे सांलिस्टर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर संज्ञान लेने के बाद कहा, "हम उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाते हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी परिणाम

घोषित कर सकती है।" पीठ ने कहा, "हम अदालत के पुनः खुलने (दीपावली की छुट्टियों के बाद) पर दोनों विद्यार्थियों के बारे में निर्णय लेंगे। इस बीच हम जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी करते हैं। लेकिन हम 16 लाख छात्रों का परिणाम नहीं रोक सकते।" बंबई उच्च न्यायालय ने 20 अक्टूबर को एक अशुभपूर्व फैसले में एनटीए को आदेश दिया था कि दो अभ्यर्थियों के लिए नये सिर से परीक्षा आयोजित की जाए और उनके परिणाम 12 सितंबर को हुई परीक्षा के मुख्य परिणामों के साथ घोषित किये जाएं। उच्च न्यायालय ने इस तथ्य का संज्ञान लिया था कि दो अभ्यर्थियों-वैष्णवी भोपाली और अभिषेक शिवाजी के प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट परीक्षा शुरू होने से पहले परीक्षा केंद्र पर आपस में मिल गए थे। अदालत ने आदेश दिया था कि उन्हें नये सिर से परीक्षा देने का अवसर मिले।

बहादुरगढ़ की घटना पर बोले केजरीवाल, किसानों की मांग मान ले सरकार, तो नहीं होंगे ऐसे हादसे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के बहादुरगढ़ जिले के टिकरी बॉर्डर के पास बृहस्पतिवार की सुबह एक ट्रक के टकरा मारने से तीन महिला किसानों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गईं। हादसे के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने हादसे को दुखद बताते हुए कहा कि दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना करता हूँ। इसके साथ केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार अगर अपनी जिद छोड़कर किसानों की मांगें मान ले तो हमारे

किसान परिवारों को यूँ सड़कों पर बैठने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। ऐसे दुखद हादसे होंगे ही नहीं। झंझर के एस्पी वसीम अकरम के अनुसार झंझर से बहादुरगढ़ जाने वाले रूट पर कुछ महिला किसान प्रदर्शनकारी मानसा अपने घर जाने के लिए निकली थीं। एक पुल के नीचे बैठकर वे सभी ऑटो का इंतजार कर रही थीं। एक अनियंत्रित ट्रक आया और वह डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में तीन महिलाओं की मृत्यु हो गई। एक घायल महिला को अस्पताल में भर्ती किया गया है। कुछ लोगों को मामूली चोटें आई थीं उपचार के बाद उन्हें

डिस्चार्ज किया जा रहा है। घटनास्थल से ट्रक ड्राइवर भाग निकला। ट्रक ड्राइवर की पहचान हो गई है अब उसकी तलाश जारी है। दूसरी तरफ किसानों ने बहादुरगढ़ हादसे के पीछे साजिश का अंदेश जताया है। इसके साथ किसानों का कहना है कि वो मृतक महिला किसानों का पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे। पुलिस पहले आरोपी को गिरफ्तार करे। न्होंने कहा कि जिस ट्रक से ये हादसा हुआ वो कुछ ही दूरी से चलकर आया और सीधे आकर महिला किसानों को कुचल दिया।



